संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-14 ◆अंक-172 ◆ रायपुर, सोमवार 20 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

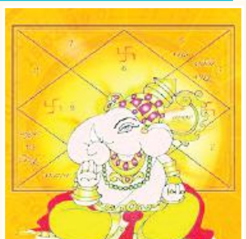

तिथि : अष्टमी
नक्षत्र : धनिष्ठा
प्रथम : करण
द्वितिय : करण
पक्ष : शुक्ल
वार: सोमवार
योग : ध्रुव
सूर्योदय : 06:51
सूर्यास्त: 17:21
चंद्रमा : मकर
राहुकाल : 08:10-09:28
विक्रमी संवत् : 2080
शक सम्वत् : 1944
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त : अभिजीत : 11:45-12:27

241 के लक्ष्य ने तोड़ा 140 करोड़ भारतीयों का दिल

ऑस्ट्रेलिया छठवीं बार वर्ल्ड चैम्पियन

अहमदाबाद। भारत की मेजबानी में खेला गया आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 बेहद निराशा के साथ खत्म हुआ है. टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया. इस मैच में टॉस हारकर भारतीय टीम ने 241 रनों का छोटा टारगेट सेट किया था, जिसने 140 करोड़ भारतीयों का दिल तोड़ दिया. इस मुकाबले को देखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद रहे थे. उनके अलावा बॉलीवुड का मेला भी सजा हुआ था.

इस मैच में कंगारू टीम कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था. मगर भारतीय टीम ने शुरुआत डगमगाते हुए की. 30 रनों पर शुभमन गिल के रूप में पहला विकेट गंवाया.इसके बाद 76 के स्कोर पर दूसरा झटका रोहित के रूप में लगा. इसका दबाव बल्लेबाजों पर पड़ा और लगातार विकेट गिरते चले गए. पूरी टीम 240 रनों पर आकर ढेर हो गई.

इसके बाद भारतीय गेंदबाजों से पूरी उम्मीदें बंध गई. 241 रनों के टारगेट के जवाब में मैदान में उतरी कंगारु टीम को भारतीय गेंदबाजों ने तीन ताबड़तोड़ झटके भी दिए. शमी ने अपने पहले ही ओवर की पहली बॉल पर डेविड वॉर्नर को शिकार बनाया. उसके बाद जसप्रीत बुमराह ने मिचेल मार्श और स्टीव स्मिथ को शिकार बनाया. इस तरह ऑस्ट्रेलिया को 47 रनों पर 3 बड़े झटके दिए. मगर यहां से ट्रेविस हेड ने मार्नस लाबुशेन के साथ मिलकर पारी को संभाला और 192 रनों की साझेदारी कर भारतीय टीम से जीत छीन ली. हेड ने 120 गेंदों पर 137 रनों की शतकीय पारी खेली. जबकि मार्नस लाबुशेन ने नाबाद 58 रन बनाए. इसके दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 4 विकेट गंवाकर मैच और खिताब अपने नाम कर लिया.

ऑस्ट्रेलिया को पीएम मोदी की बधाई

आईसीसी क्रिकेट विश्वकप के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया की हार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया आई है. पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, प्रिय टीम इंडिया, विश्व कप के दौरान आपकी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प उल्लेखनीय था. आपने बहुत अच्छे जज्बे के साथ खेला और देश को बहुत गौरव दिलाया. हम आज और हमेशा आपके साथ खड़े हैं. पीएम मोदी ने विश्व कप में जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को लेकर भी एक पोस्ट किया. उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को बधाई दी. पीएम मोदी ने लिखा, विश्व कप की शानदार जीत पर ऑस्ट्रेलिया को बधाई! पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा, जिसका समापन शानदार जीत के रूप में हुआ. ट्रैविस हेड को आज उनके उल्लेखनीय खेल के लिए बधाई.

मैदान में घुसा फिलिस्तीनी समर्थक, विराट के कंधे पर रखा हाथ, मचा हड़कंप

अहमदाबाद। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद में खेले जा रहे फाइनल मैच में उस समय हडकंप मच गया, जब मैदान में एक फिलिस्तीनी समर्थक पहुंच गया। किसी को समझ ही नहीं आया कि यह युवक कैसे मैदान के बीच पहुंच गया और विराट कोहली के गले लग गया। युवक ने फ्री फिलिस्तीन की टीशर्ट पहनी हुई थी और हाथ में फिलिस्तीन का झंडा पकड़ा हुआ था। उसके मैदान पर आते ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे बाहर निकाला। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस 24 साल के युवक का नाम वेन जॉनसन है और वह आस्ट्रेलिया का नागरिक है। मैदान में तैनात सुरक्षाकर्मियों वेन को जैसे ही बाहर वैसे ही अहमदाबाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस स्टेडियम से उसे सीधे चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। यहां पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तब कई खुलासे हुए। उसने पुलिस को बताया कि वह आस्ट्रेलिया का रहने वाला है। इसके साथ ही पूछताछ में मालूम हुआ कि वेन जानसन की मां फिलीपींस की रहने वाली है, जबकि उसके पिता चीन के रहने वाले हैं। वेन के हाथ में लाल रंग भी लगा हुआ था, जोकि उसने फिलिस्तीन की हालत दर्शाने के लिए लगाया था। बता दें कि मैच से पहले ही स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद इतनी बड़ी चूक कई सवाल खड़े कर रही है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

बिलासपुर । मस्तूरी क्षेत्र के तेज रफ्तार हाईवा के चालक ने खेत से लौट रहे बाइक सवारों को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, युवक की बहन और भाभी गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल भेजा। इसके बाद शव सड़क पर रखकर लोगों की भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाईश देकर शव चीरघर भेज दिया है।

50 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में किया ज्यादा मतदान

रायपुर । विधानसभा निर्वाचन 2023 में मताधिकार का प्रयोग करने वाले कुल महिला मतदाताओं की संख्या मताधिकार का प्रयोग करने वाले कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या से अधिक है। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 50 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने ज्यादा मतदान किया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 7 और 17 नवंबर को हुए दो चरणों में मतदान के आंकड़ों के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि मताधिकार का प्रयोग करने में महिलाओं की सहभागिता और जागरूकता पुरुषों से कम नहीं है। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 50 विधानसभा क्षेत्रों मे मताधिकार का प्रयोग करने वाली महिलाओं की संख्या मताधिकार का प्रयोग करने वाले पुरुषों की संख्या से कहीं अधिक है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भरतपुर-सोनहत, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अंबिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, पालीतानाखार, जैजैपुर, मरवाही, सरायपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ, राजिम, बिंद्रानवागढ़, सिहावा, डोंडीलोहारा, गुंडरदेही, संजारी-बालोद, धमतरी, दुर्ग शहर, पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, डोंगरगांव, खुज्जी, मोहलामानपुर, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट,दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों में आकर वोट डालने वाले महिला मतदाताओं की संख्या वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की तुलना में अधिक है।

छत्तीसगढ़ में दो चरणों में हुए मतदान में कुल 1 करोड़ 55 लाख 61 हजार 460 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया जिसमे 77 लाख 48 हजार 612 पुरुष मतदाता और 78 लाख 12 हजार 631 महिला मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार विधानसभा निर्वाचन 2023 में मताधिकार का प्रयोग करने वाली महिला मतदाताओं की कुल संख्या भी वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या से अधिक है।

महिला डॉक्टर ने की खुदकुशी

गरियाबंद । छुरा अस्पताल में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर ने किराए के मकान में फांसी लगा ली. मामला छुरा थाना क्षेत्र का है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

छुरा अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर के पद पर पदस्थ डॉक्टर सीमा अलोने उम्र 38 वर्ष ने शनिवार की शाम फांसी लगा ली। डॉक्टर ने अपने सरकारी आवास के आगे ही एक किराए का मकान लिया हुआ था, जहां उनके माता-पिता रहते थे। सरकारी आवास में पति डॉ. भारत भूषण आर्या के साथ रहती थीं। शनिवार शाम को पति जब अपने निजी क्लीनिक में थे, मां इवनिंग वॉक के लिए गई हुई थीं और पिता सब्जी खरीदी के लिए बाजार गए थे. तभी महिला डॉक्टर ने किराए के मकान में दुपट्टा को फंदा बना कर फांसी पर लटक गई।

इवनिंग वॉक से वापस लौटने पर मां ने बेटी को फंदे पर लटके देखा. तुरंत उन्होंने इसकी सूचना दामाद को दी, जिन्होंने तुरंत बॉडी को उतारकर उपचार का प्रयास किया. इसके बाद सरकारी अस्पताल में भी भर्ती कराया गया, लेकिन तब तक सांसे उखड़ गई थी।

दुर्ग से बालोद सड़क मार्ग पर गुण्डरदेही से 5 किमी की दूरी पर स्थित है ग्राम मड़ियापार जहां पर निर्माण किया गया है, भव्य गोवर्धन पर्वत तीर्थ का। ग्राम के मध्य निर्मित गोवर्धन पर्वत तीर्थ स्थल का शुभारंभ एवं विधी विधान से प्राण प्रतिष्ठा कार्तिक शुक्ल पक्ष गोपाष्टमी तिथि 12 नवंबर 2021 में की गई। आगामी 20 नवंबर 2023 को गोपाष्टमी के अवसर पर धार्मिक स्थल तीर्थ के स्थापना का द्वितीय वर्षगांठ आयोजित है। ग्राम के गणमान्य पूर्वजों के याद में निर्मित पवित्र तीर्थ-स्थल के स्थापना अवसर पर आयोजित मड़ई (मेले) का आकर्षण-

कार्यक्रम

11 बजे प्रातः भेंट गोवर्धन पर्वत का पूजन एवं प्रसाद वितरण

दोपहर 3 बजे से - श्री टीकमशरण मरकाम गरियाबंद वाले द्वारा हरिकीर्तन तथा रामायण गायन कार्यक्रम

भेंट गोवर्धन पर्वत तीर्थ

स्थापना के दो वर्ष पूरे

यह पर्वत गिरिराज भेंट गोवर्धन पर्वत है। इस पर्वत के निर्माण हेतु परम पवित्र बृज धाम मथुरा वृंदावन उत्तर प्रदेश जाकर भगवान श्री बांके बिहारी के दर्शन कर उनकी महान कृपा एवं विशेष आज्ञा प्राप्त की गई है। इनकी स्थापना के पूर्व महा पवित्र गिरिराज गोवर्धन की पंचकोशी परिक्रमा की गई तत्पश्चात भगवान बांके बिहारी द्वारिकाधीश की आज्ञा से इस परम पवित्र पर्वत की स्थापना हेतु अरब सागर मुंबई की शिला लगाई गई है। साथ ही देश की पवित्र 21 नदियां गंगा मैय्या, यमुना मय्या, नर्मदा मय्या, चंबल नदी, बेतवा नदी, गोदावरी, बाण गंगा, बेन गंगा, इंद्रावती, क्षिप्रा, सोनभद्र, मटियारी, बंजर, डंकिनी, शंखिनी, शिवनाथ, महानदी, तांदुला नदी, खरखरा नदी, अरपा एवं सोंढुर नदी की धाराओं से शिलाएं चुनकर लाया गया है। इन्हीं शिलाओं से यह पवित्र पर्वत निर्मित है।

परम पवित्र भगवान गिरिराज, भेंट गोवर्धन पर्वत का निर्माण एवं स्थापना धार्मिक ग्राम मड़ियापार के पूर्व मालगुजार स्व. श्री जगन्नाथ प्रसाद शुक्ला जी की 108 वीं जन्म जयंती वर्ष तथा उनके अनुज प्रकाण्ड पंडित स्व. बिष्णु दत्त शुक्ला जी की 101 वीं जन्म जयंती वर्ष के पावन अवसर पर उनके आशीर्वाद से उनके पौत्रों **श्री आलोक शुक्ला** राजस्व अधिकारी, निवास बोरसी दुर्ग, मूल निवास मड़ियापार तथा **श्री संजय मिश्रा** अधिवक्ता म.प्र. हाईकोर्ट जबलपुर, निवास मण्डला म.प्र. के द्वारा की गई है।

श्री आलोक शुक्ला, श्री संजय मिश्रा तथा ग्राम मड़ियापार के गो भक्तगण श्री पोखनलाल यादव, श्री अश्वनी कुमार केकती तथा श्री जगदीश केकती शुभ मुहूर्त में मथुरा वृंदावन जाकर पर्वत राज, गोवर्धन की पावन परिक्रमा किए तथा भगवान बांके बिहारी के दर्शन कर ग्राम मड़ियापार में भेंट गोवर्धन स्थापना हेतु विशेष आज्ञा एवं आशीर्वाद प्राप्त किये।

इस तीर्थ के दर्शन एवं पूजन से गो संवर्धन की प्रेरणा तथा आरोग्य एवं चिरायु जीवन प्राप्त होता है।

एक नजर

स्वयंसेवकों ने मतदाता मित्र के रूप में किया अतुलनीय कार्य

कोरबा। बोईदा के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय दिल्ली व क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल के निर्देशक डॉ अशोक कुमार श्रोती,राज्य राष्ट्रीय सेवा योजनाअधिकारी डॉ.नीता बाजपेयी व अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनोज सिन्हा व जिला संगठक वाई के तिवारी के निर्देशन में तथा प्राचार्य लखन लाल बंजारे के संरक्षण मे,कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र कुमार नायक के मुख्य मार्गदर्शन व शासन प्रशासन के निर्देशन में बोईदा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने 17 नवंबर मतदान दिवस को विशेष निर्देशन व आदेश में मतदान केंद्र में आने वाले सभी मतदाता अंधे शिथलांगजन, दिव्यांगजन, वृद्ध जन, शारीरिक अक्षमता दर्शाने वाले उन सभी मतदाताओं को महिलाओं को शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्ति हेतु व उनको विशेष सुविधा प्रदान करने हेतु बोईदा इकाई के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं को मतदाता मित्र के रूप में आदेशित किया गया था जिनके द्वारा बहुत ही प्रशंसनीय व अतुलनीय सेवा देते हुए शारीरिक समस्तअक्षमता दर्शाने वाले सभी मतदाताओं को व्हीलचेयर हाथ को पडकर व सहयोग,सेवा प्रदान करते हुए मतदाताओं को मतदान कराया गया साथ ही शत् प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु लगातार व सतत् मतदाता जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया गया जिसमें मुख्य रूप से भूमिका पटेल,तुलसी पटेल,चंदा पटेल, वीरेंद्र कुमार यादव,लकेश्वर कुमार श्रीवास,भूपेश पटेल,आर्यन श्याम,पायल राज,सरस्वती पटेल, तोशिका पटेल,साहिल नायक, नरेंद्र मरावी,दिव्या कंवर,निर्मला ओग्रे,सोना सरुता,महिमा कुर्रे, रजनी पटेल ने लगातार सेवा देते रहे जो की यह सेवा कार्य उत्कृष्टता को दर्शाता है उपस्थित रहे व जिसमें मुख्य रूप से राजेंद्र कुमार नायक कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना का योगदान सराहनीय रहा।

विधानसभा निर्वाचन में एन एस एस स्काउट गाइड के स्वयं सेवकों ने दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं का किया सहयोग

धमतरी। विधानसभा निर्वाचन धमतरी क्षेत्र क्रमांक 58 में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली धमतरी के एन एस एस स्वयंसेवक व स्काउट गाइड के छात्रों द्वारा मतदान केंद्र भोथली सांकरा व पीपरछेड़ी में वरिष्ठ जन दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र में आवश्यक सहयोग प्रदान किया ।इन्हें जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा मतदाता मित्र नाम देकर प्रोत्साहित किया गया ।व पूरे धमतरी जिला के बूथों पर ये स्वयंसेवक व स्काउट गाइड ने पूरे उत्साह व लगन से सेवा कार्य कर लोगों का मनमोह लिया। प्राचार्य श्रीमती संयोगिनी रामटेके व एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी व स्काउट गाइड प्रभारी गणेश प्रसाद साहू ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई व धन्यवाद दिया कि लोकतंत्र के इस त्यौहार में अपना योगदान देकर एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका अदा की गई समय-समय पर लोगों के लिए पानी व व्हीलचेयर की व्यवस्था कर वोट देने में सहयोग प्रदान किया गया। नवजात व छोटे बच्चों को संभालने का कार्य भी किया गया ।सभी मतदाता मित्रों को जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा धन्यवाद दिया गया। जिसके सहयोग से धमतरी जिला प्रदेश में मतदान प्रतिशत में प्रथम स्थान पर रहा। मतदाता मित्र खेलेंद्र कुमार, रामखिलावन, हामीद, प्रेमसागर ,मनीष ,उमेश दास ,गुलशन, ऋषभ ,धनंजय ,डिकेश ,भावेश ,नूतन, तेजेंद्र ,मोहनीश, तुलेन्द्र ,करण ,होमेश, टुमेश ,किशन ,सतीश ,ऋषभ, चैनेंद्र का विशेष व सराहनी योगदान रहा।

विधानसभा निर्वाचन में एनएसएस स्काउट गाइड के स्वयंसेवकों ने दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं का किया सहयोग

धमतरी। विधानसभा निर्वाचन धमतरी क्षेत्र क्रमांक 58 में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली धमतरी के एन एस एस स्वयंसेवक व स्काउट गाइड के छात्रों द्वारा मतदान केंद्र भोथली सांकरा व पीपरछेड़ी में वरिष्ठ जन दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र में आवश्यक सहयोग प्रदान किया ।इन्हें जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा मतदाता मित्र नाम देकर प्रोत्साहित किया गया ।व पूरे धमतरी जिला के बूथों पर ये स्वयंसेवक व स्काउट गाइड ने पूरे उत्साह व लगन से सेवा कार्य कर लोगों का मनमोह लिया। प्राचार्य श्रीमती संयोगिनी रामटेके व एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी व स्काउट गाइड प्रभारी गणेश प्रसाद साहू ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई व धन्यवाद दिया कि लोकतंत्र के इस त्यौहार में अपना योगदान देकर एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका अदा की गई समय-समय पर लोगों के लिए पानी व व्हीलचेयर की व्यवस्था कर वोट देने में सहयोग प्रदान किया गया। नवजात व छोटे बच्चों को संभालने का कार्य भी किया गया ।सभी मतदाता मित्रों को जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा धन्यवाद दिया गया। जिसके सहयोग से धमतरी जिला प्रदेश में मतदान प्रतिशत में प्रथम स्थान पर रहा। मतदाता मित्र खेलेंद्र कुमार, रामखिलावन, हामीद, प्रेमसागर ,मनीष ,उमेश दास ,गुलशन, ऋषभ ,धनंजय ,डिकेश ,भावेश ,नूतन, तेजेंद्र ,मोहनीश, तुलेन्द्र ,करण ,होमेश, टुमेश ,किशन ,सतीश ,ऋषभ, चैनेंद्र का विशेष व सराहनी योगदान रहा।

बालको की बाल विकास पहल से उज्जवल भविष्य को मिल रहा है आकार

कोरबा

हाल ही में देश ने बाल दिवस मनाया। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। देश के निर्माण में युवाओं की भूमिका को देखते हुए भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पहल पर निरंतर कार्य कर रहा है। बचपन के शुरुआती वर्ष बच्चे के भविष्य की नींव होती है। बालको एक स्वस्थ, सुरक्षित और बेहतर भविष्य बनाने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से समुदाय के बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

बेहतर पोषण बच्चे के सर्वांगीण स्वास्थ्य और कल्याण की आधारशिला है, जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बालको अपने प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल के साथ समुदाय में पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा कर रहा है। कंपनी अपने सामुदायिक विकास परियोजनाओं के माध्यम से बच्चों में कुपोषण को कम करने के लिए स्तनपान और अन्य स्वस्थ प्रथाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देती है। टेक होम राशन (टीएचआर) के तहत सरकार के पूरक भोजन प्रावधान के साथ माताओं को पौष्टिक व्यंजनों पर प्रशिक्षित कर रही है। सत्रों में पोषण संबंधी जानकारी पर प्रश्नोत्तर सत्र और ऑडियो-विजुअल शोकेस भी शामिल हैं और इससे वित्त वर्ष 2023 में 270 से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। भदरापारा की सावित्री के लिए यह किसी 'चमत्कार' से कम नहीं था। वह अपने 19 महीने के बेटे श्रेष्ठ की कहानी साझा करते हुए कहती हैं कि श्रेष्ठ के पोषण के लिए महंगे पैकेज्ड सप्लीमेंट्स की ओर रुख करने से हमारे ऊपर आर्थिक दबाव पड़ रहा था। बालको प्रशिक्षण सत्र मेरे बच्चे के पोषण के लिए मददगार साबित हुआ। आज, श्रेष्ठ का वजन 9 किलोग्राम है, मैं घर ले जाने वाले राशन का उपयोग करके नियमित पोषण संबंधी व्यंजन बनाती हूं। किशोरावस्था बच्चे के विकास में एक महत्वपूर्ण दौर होता है जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तन का समय होता है। इस प्रारंभिक अवधि के दौरान किशोर लड़कों और लड़कियों के बीच माहवारी के बारे में जागरूकता पैदा करके बालको युवाओं में स्वच्छ प्रथाओं की स्थापना कर रहा है। सामुदायिक विकास पहलों की मदद से कंपनी कम उम्र में लैंगिक संवेदनशीलता और समानता को बढ़ावा दे रहा है। माहवारी संबंधी मिथकों और भ्रांतियों को दूर करते हुए स्वच्छता प्रथाओं को विकसित किया है। बालको ने अपने प्रोजेक्ट नई किरण के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में जागरूकता सत्रों के माध्यम से 48,000 से अधिक लोगों को जागरूक किया है। आजाद नगर की 16 वर्षीय हर्षिता कहती हैं कि माहवारी जीवन की एक सामान्य प्रक्रिया है और हम इसे आत्मविश्वास के साथ अपना रहे हैं। हम घर पर और साथियों के साथ इस पर खुलकर चर्चा करते हैं। एक बच्चे की विकासात्मक यात्रा में स्कूली शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह आजीवन सीखने, मानसिक विकास और आवश्यक सामाजिक कौशल का निर्माण करता है। इस महत्व को पहचानते हुए बालको 58 आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्रों को सहयोग दे रहा है। कंपनी बाला (बिल्डिंग एज लर्निंग एड) पेंटिंग और डिजिटल लर्निंग सहित इंटरैक्टिव लर्निंग मॉडल के माध्यम से सर्वोत्तम श्रेणी के पाठ्यक्रम प्रदान करके पूर्व स्कूली शिक्षा में सुधार की दिशा में लगातार काम कर रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) के सहयोग से अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पहल के तहत नंद घर एक अत्याधुनिक आंगनवाड़ी मॉडल प्रदान करता है, जो ई-लर्निंग से सुसज्जित है। समुदाय में बच्चों को पीने का पानी और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराया है। नंद घर परियोजना की मदद से बालको वित्त वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 4000 से अधिक बच्चों की उपस्थिति, सीखने की क्षमता और स्कूल के लिए तैयार में मदद किया है। शिक्षा बाल विकास और सशक्तिकरण की नींव के रूप में खड़ी है, जो व्यक्तिगत नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ प्रगति और ज्ञान की दिशा में समाज को आगे बढ़ाने में सहायक होती है। बालको की पहुंच स्वास्थ्य के साथ बेहतर शिक्षा के माध्यम से बच्चे के विकास की आधारशिला तक फैला हुआ है। उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बच्चों को मूलभूत ज्ञान और भविष्य की गतिविधियों से जोड़ता है। प्रोजेक्ट कनेक्ट 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। इसी के अनुरूप वर्ष 2016 में शुरू 'परियोजना कनेक्ट' का उद्देश्य स्थानीय विद्यार्थियों में विज्ञान, अंग्रेजी, गणित और लेखा (सेमा) में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समुदाय की जरूरतों को पूरा करना है। परियोजना मुख्य रूप से बालको कर्मचारियों तथा स्वयंसेवी शिक्षकों के माध्यम से छात्रों के ग्रेड में सुधार, शिक्षकों की क्षमता निर्माण और करियर परामर्श के लिए एक सक्षम वातावरण बनाकर सरकारी स्कूल में सीखने के माहौल में सुधार लाने पर केंद्रित है। तीन सरकारी स्कूल में कनेक्ट परियोजना के नियमित कक्षाओं से वर्तमान समय 1200 से अधिक छात्र को लाभान्वित हो रहे हैं। समुदाय में शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने में बालको के प्रयासों की सराहना करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोढ़ी की प्रिंसिपल रिनी दुबे ने कहा कि बालको की पहल हमारे छात्रों के लिए सीखने और तैयारी के अवसर प्रदान करती है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे आगामी परीक्षाओं के लिए तैयार हैं। कैरियर परामर्श बालको की सराहनीय पहल है जो उन्हें उनके शैक्षणिक और कैरियर के बारे में निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन करता है। बालको पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के पहलुओं से आगे बढ़कर कौशल-निर्माण और व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहल के माध्यम से सर्वांगिण विकास के महत्व पर जोर देता है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कंपनी ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन करता है, जिसमें संगीत, गायन, जुम्बा, मिट्टी के बर्तन और पेंटिंग जैसी हुनर सीखने का मौका देती है। कंपनी अंग्रेजी बोलने वाली कक्षाओं और विशेष प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास में योगदान देती है। बेहतर व्यक्तित्व व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए बालको सक्रिय रूप से स्कूल में वृक्षारोपण, अग्नि सुरक्षा और यातायात नियमों जैसे आवश्यक विषयों पर जागरूकता फैलाता है। कंपनी ने बच्चों में खेल और शारीरिक स्वस्थ सेहत को बढ़ावा देने के लिए समुदाय में खेल किट भी वितरित किया है। बाल विकास पहल के प्रति बालको का दृढ़ समर्पण एक बेहतर कल के निर्माण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ज्ञान, कौशल और एक सहायक वातावरण के साथ युवा जीवन को सशक्त बनाकर बालको एक बेहतर जगह के रूप में देखता है, जो समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए लचीले, सक्षम व्यक्तियों के निर्माण में योगदान देता है।

इंडस स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

कोरबा

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं बच्चों के प्यारे चाचा जी पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्मोत्सव जिसे देश में 14 नवम्बर को बाल दिवस के रूप मे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। सर्वविदित है कि चाचा जी को बच्चों से बेहद प्रेम था। आज भी उनके जन्मदिवस पर पंडित नेहरू जी के प्रति बच्चों का प्रेम देखते ही बनता है, खासकर विद्यालयों में बालदिवस पर विविध आयोजन कर उसे आकर्षक बनाने का प्रयास किया जाता है जिससे बच्चों में उत्साह खुशी का माहौल निर्मित हो तथा हमारे महान देशभक्तों के बारे में जानने का सुअवसर प्राप्त हो। यूँ तो दीपका स्थित इंडस पब्लिक स्कूल में हर वह पल जहॉं से ज्ञान एवं जागरूकता का सबक मिलें, बच्चों को अवसर दिया जाता है कि इसमें वो अपनी प्रतिभा को दिखा सकें फिर बाल दिवस का सुअवसर कैसे रह सकता है? बालदिवस के पावन अवसर पर आई. पी. एस. दीपका में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में डॉक्टर संजय गुप्ता स्वयं उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ मुख्य अतिथि को तिलक लगाकर स्वागत किया गया तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। माँ सरस्वती के तैल्य चित्र में विद्यालय के प्राचार्य महोदय के द्वरा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का आगाज किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्राओं के द्वारा बहुत सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी गई तत्पश्चात क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चाचा नेहरु के जीवन से संबंधित विभिन्न रोचक सवाल सुनकर विद्यार्थी प्रफुल्लित हुए। कक्षा सातवीं एवं आठवीं की छात्राओं के द्वारा भी नयनायभिराम नृत्य की प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा विद्यालय परिसर चाचा नेहरु के सम्मन में बनाई गई विभिन्न आकर्षक रंगोलियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही आयोजित बाल दिवस के उपलक्ष्य में स्लोगन प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़चढकर भाग लिया।विद्यार्थियों ने चाचा नेहरु के सम्मान में विभिन्न ड्राईंग भी बनाए एवं आकर्षक नृत्य की भी प्रस्तुति दी। डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि बच्चों से उनका बचपन नहीं छीनना चाहिए ।इस दुनिया में हर बच्चा युनिक है।सब की अलग-अलग कैपेबिलिटी है।उन्होंने कहा कि हमें हर परिस्थिति में सामंजस्य स्थापित कर लगातार सीखते रहना चाहिए।हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि बिना त्याग के हम आगे नहीं बढ़ सकते। भगचान रामकृष्ण, महात्मा बुद्ध, स्वामी विवेकानंद इत्यादि सभी महापुरुषों के जीवन से हमें त्याग की शिक्षा मिलती है। हमें यदि जीवन में सफल होना है तो त्याग, समर्पण अच्छे संस्कार आवश्यक हैं। विद्यालय के सीसीए इंचार्ज श्री हेमलाल श्रीवास का मानना है कि इस तरह के आयोजन से जिसमें विद्यार्थी एवं अध्यापक सब एक जुट होकर कार्य करते हैं तो उनके परस्पर संबंध मजबूत होते हैं और एकजुटता की भावना का विकास होता है। जहाँ तक बात है बच्चों के बचपन का तो बचपन तो जिंदगी का सबसे प्यारा पल होता है। यह ईश्वर का दिया बेहतरीन उपहार है।बचपन के पलों को हम जिंदगी भर याद कर खुश होते हैं। इंडस स्कूल दीपका के प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि इंडस पब्लिक स्कूल का उद्देश्य बच्चों को जिम्मेदार बनाना है, बच्चों में सामाजिकता एवं नैतिकता के मूल्यों का विकास करना एवं अच्छी शिक्षा के साथ ही अच्छे संस्कारों का विकास करना ही हमारा उद्देश्य है। हमारा सतत प्रयास रहता है कि हम बच्चों को सीखने का प्रत्येक अवसर प्रदान करें। बच्चों का बचपन ही वह पल रहता है कि बच्चा जिज्ञासु होता है। यदि उनकी रुचि और ज्ञान को सही दिशा दें तो आगे चलकर आसानी से अपने मुकाम पर पहुँच सकते हैं।

नवीन जिला में शांतिपूर्ण और सामान्य मतदान के लिए कलेक्टर ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया

सारंगढ़-बिलाईगढ़। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 17 नवंबर 2023 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सामान्य मतदान संपन्न होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने जिले के सभी प्रेक्षकों, मतदाताओं, मतदान दलों, सभी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, नागरिकों, पत्रकारों, बीएलओ, मतदाता जागरूकता स्वीप से जुड़े सभी स्कूली बच्चों, स्व सहायता समूह की महिलाओं, कोटवारों, सशस्त्र बल , होमगार्ड, पीडब्ल्यूडी, मजदूर, चपरासी, सफाई कर्मी से लेकर जिले के सभी विभाग प्रमुख, नोडल अधिकारी आदि को बधाई और धन्यवाद ज्ञापित की हैं।

डॉ सिद्दीकी ने कहा है कि लोकतंत्र महापर्व विधानसभा निर्वाचन को नवीन जिला सारंगढ़ -बिलाईगढ़ में सीमित संसाधन उपलब्धता के बावजूद निर्विघ्न,निर्विवाद, शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराया गया। इस कार्य में सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा, सभी का अथक मेहनत से ही यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है।

मतदान समाप्त: चुनाव प्रबंधन और खामियों को लेकर बैठक कर रहे राजनीतिक दल

कोरबा। जिले में दूसरे चरण के लिए 17 नवंबर को विधानसभा का मतदान संपन्न हो गया। जिले में 74 प्रतिशत से ज्यादा मतदाताओं ने मतदान करने में रूची दिखाई। जबकि सवा दो लाख से ज्यादा मतदाता या तो मतदान करने को लेकर उदासीन रहे अथवा तकनीकी कारणों से उन्हें मतदान का अवसर नहीं मिला। इव्हीएम के स्ट्रांग रूम में जमा होने के बाद अब इस बात की चर्चा हो रही है कि नतीजे क्या होंगे? चुनाव प्रबंधन में लगे बैठक का दौर शुरू हो गया है। इसके साथ ही जल्द उन लोगों की छटनी हो सकती है जिन्होंने चुनाव के दौरान पार्टी के विरोध में काम किया। जिले की 3 विधानसभा सीटों पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच रहा। जबकि एक विधानसभा में गोड़वाना गणतंत्र पार्टी को मुख्य मुकाबले में माना गया है। शेष प्रत्याशियों की भूमिका निर्णायक के बजाये वोट काटने वाले के रूप में हो सकती है। ऐसा पहले भी हुआ है। 17 नवंबर को हुए मतदान में 7 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने अपना प्रतिनिधि चुनने के लिए वोट डाला। जिले में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र मिलाकर 1081 स्थानों पर मतदान की व्यवस्था प्रशासन के द्वारा कराई गई। पिछले चुनावों की तरह इस बार भी प्रत्याशियों ने कुछ स्थानों परन अपनी हैसियत और रणनीति के हिसाब से संसाधन खर्च किये और खुब नगदी का भी इंतजाम किया। अगले पांच चाल के आराम के लिए यह सब करना राजनीति में जायज माना जाता है। इसके अलावा कई तौर तरीकों पर भी अमल किया गया है। इन सबके बावजूद जिले में अब तक किसी के द्वारा दावा नहीं किया जा रहा है कि जीत किसकी होगी। लेकिन अनेक प्रत्याशियों की मतदान के बाद से ही हवा खराब है। जानकारी के अनुसार मतदान समाप्त होने के बाद यहां-वहां से आई रिपोर्ट और पब्लिक के रूझान में कुछ दलों को खुश होने का मौका मिला है तो कुछ को परेशान भी किया है। जैसे-जैसे सूचनाओं का अनुपात और उनके संबंध में मजबूत आधार बड़ रहा है, उससे अच्छे-अच्छे प्रत्याशियों की नींद गायब हो गई है। सूत्रों ने बताया कि जिले में मतदान का मिलाजूला आकंड़ा भी परेशानी का एक कारण है। इसलिए कांग्रेस-भाजपा और गोड़वाना गणतंत्र पार्टी का चुनाव प्रबंधन देखने वाला वर्ग बैठकों में उलझा हुआ है। चर्चा इस बात की है कि मतदाताओं को किसी तरह से साधा गया और कहां कुछ खामिया रहीं। कई स्थानों पर मतदान के दौरान बड़े गड्डे होने और इससे संभावित नुकसान को लेकर न केवल चिंता जताई गई बल्कि प्रबंधन लेने वालों को खरीखोटी सुननी पड़ी। पिछली रात की बैठक को लेकर इसी प्रकार के दावें किये जा रहे है। सवाल यह भी उठ रहा है कि सब कुछ सैट करने के बाद भी स्लम इलाकों में अचानक परिवर्तन कि स्थिति क्यों पैदा हो गई। जिस तरीके से बैठके हो रही है, उससे वे लोग डरे हुए है जिन्होंने प्रत्याशियों और उनके चुनाव मैनेजर को सपने दिखाकर संसाधन प्राप्त किये थे।

विज्ञान ने मानव को असीमित शक्तियाँ प्रदान की है जीवन को बनाया सरल एवं सुखद : कुमार निशांत

कोरबा

ईंधन, सूचना, कंप्यूटर आदि ऐसे अनेक अनोखे साधन विज्ञान ने दिए हैं जिनसे जीवन सरल व संपन्न हो गया है। आज भोजन, आवास, यातायात, चिकित्सा, मनोरंजन, कृषि, उद्योग सभी विज्ञान से प्रभावित व विकसित हैं। विज्ञान की मदद से आज टीबी, कैंसर जैसे लाइलाज रोगों को दूर किया जा सकता हैं।

प्रकृति के क्रमबद्ध ज्ञान को विज्ञान कहा जाता है। विज्ञान वह व्यवस्थित ज्ञान या विद्या है जो विचार, अवलोकन, अध्ययन और प्रयोग से मिलती है, जो किसी अध्ययन के विषय की प्रकृति या सिद्धान्तों को जानने के लिए किये जाते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अभिरूचि पैदा करने एवं अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने विद्यालय स्तर पर विज्ञान प्रदशर्नी का आयोजन किया जाता है। विज्ञान प्रदर्शनी एक ऐसा माध्यम है जिसमें बच्चे खुद से बनाए मॉडल य प्रतिरूप का प्रस्तुत करते हैं। इन प्रतिरूपों को बारिकी से समझकर उसका प्रयोग करते हैं। दीपका स्थित इंडस पब्लिक स्कूल में ऐसे ही एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छठवीं से बारहवीं के बच्चों ने विज्ञान के विविध सिद्धांतों पर आधरित अनेक चलित मॉडलों को बनाकर प्रस्तुत किया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि अमित सक्सेना (सीजीएम सीसीएल दीपका) श्रीमती आभा सक्सैना(प्रेसिडेंट दीक्षा महिला मंडल दीपका),के साथ विशिष्ट अतिथि कुमार निशांत (डीएफ्ओ कटघोरा), के साथ ही प्रहलाद मोदी (चार्टर्ड अकाउंटेंट)श्री कनक लश्करकर (विशेषज्ञ बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री) सपना मोदी (एजुकेशनिस्ट)एवं डॉक्टर संजय गुप्ता (प्राचार्य-आई0पी0एस0) के कर कमलों द्वारा रिबन काटकर विज्ञान प्रदर्शनी का उद्धाटन किया गया। गणमान्य अतिथियों के समक्ष बच्चों ने अपने हाथों से बनाए विज्ञान के चलित प्रतिरुपों का प्रस्तुतिकरण दिया। प्रतिरुपों में बच्चों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्टर,मोटरबोट,हाइड्रोलिक क्रेन,पावर प्लांट,ज्वालामुखी, स्मार्ट सिटी प्लान,वाटर हार्वेस्टिंग पिट, एक्सट्रैक्शन ऑफ फ्यूल फ्रॉम वेस्ट प्लास्टिक, प्रोटेक्शन फॉर एसिड रेन, वर्किंग स्मार्ट डायलिसिस मशीन, सर्कुलेटरी सिस्टम इन ह्यूमन, मॉडल ऑफ एटम, होमो डायलिसिस वर्किंग मॉडल, स्मार्ट सीवेज ट्रीटमेंट, इरिगेशन सिस्टम, वर्किंग मॉडल ऑफ ह्यूमन आई, रोबोटिक टेक्नोलॉजी, न्यूक्लियर पावर प्लांट,आदि उल्लेखनीय रहे।

बच्चों के प्रस्तुतिकरण को देखने के पश्चात विज्ञान विषय पर बच्चों का दिशा निर्देशन करते हुए श्री 'अमित सक्सेना (सीजीएम सीसीएल दीपका) ने कहा कि विज्ञान हमारे ज्ञान का आधार है। हर सीखी हुई बात को प्रायोगिकता की कसौटी पर कसाकर लोगों को बताना ही विज्ञान है। विज्ञान एवं ज्ञान के आधार पर ही जीवन में हर्ष एवं आनंद संभव है। हमें विद्यालय में प्रत्येक तथ्य को स्वयं प्रयोग कर सीखने का प्रयत्न करना चाहिए ऐसा ज्ञान हमें आजीवन याद रहता है। तात्पर्य यह है कि हमें न सिर्फ पढना है बल्कि पढकर समझना व सीखना भी है यही विज्ञान है।कुमार निशांत (डीएफ्ओ कटघोरा) ने अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान ने मानव को असीमित शक्तियाँ प्रदान की है। इन शक्तियों का प्रयोग कर आज मानव ने अपने जीवन को सरल एवं सुखद बना दिया है। आज विज्ञान ने हमारा जीवन अत्यंत सरल बना दिया है। आज हमने चांद पर भी कम दो दो बार कदम रख दिया है । हो सकता है आने वाले दिनों में हम चांद पर ही जाकर बस जाएं यह सब विज्ञान के कारण ही संभव हो सका है। सभी विद्यार्थियों ने क्रमशरू अतिथियों के द्वारा पूछे गए प्रत्येक प्रश्नों का उत्तर दिया एवं अपने द्वारा बनाए गए मॉडल की बेहतरीन व्याख्या दी । अतिथियों के द्वारा पूछे गए प्रत्येक प्रश्नों का जवाब विद्यार्थियों ने पूरी संजीदगी एवं आत्मविश्वास के साथ दिया जिसे सुनकर अतिथि भी प्रसन्न हो गए। इस विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन विज्ञान के विभिन्न विषयों के विभाग अध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता (फिजिक्स)श्री अजीत कुमार (केमिस्ट्री)एवं मिस पारुल (बायोलॉजी)के दिशा निर्देशन में किया गया जिसमें मिस सुमाना भूनिया ,दीपक मलिक एवं सुमित जैन, देव गोपाल सामंता, देवाशीष परीदा, मिस स्मृति साहू, मिस इशा राय चैधरी, श्रीमती दीपा कुर्रे, सचिन लकड़ा, योगेश शुक्ला, मिस जस्विता गढ़वाल, राजू कौशिक सहित विद्यालय के कोऑर्डिनेटर सब्यसाची सरकार एवं श्रीमती सोमा सरकार का अभिन्न योगदान रहा, साथ ही बच्चों की मेहनत ने इस आयोजन को सफलता के शिखर तक पहुँचाया।

विद्यालय प्राचार्य डॉक्टर संजय गुप्ता ने अपने प्रभावी उद्बोधन में कहा कि विज्ञान स्वयं में शक्ति नहीं है अपितु यह मानव के हाथ में विशिष्ट शक्ति को प्राप्त करती है।प्रकृति एवं मनुष्य दोनों की ताकत का समसयोजन ही विज्ञान है। यदि विज्ञान नहीं होता तो आज हमारा जीवन कैसा होता इसकी हम सहज कल्पना कर सकते हैं। जो आपके जीवन को सरल कर दे जो आपके काम को सरल कर दे सही मायने में वही विज्ञान है विज्ञान अर्थात विशेष ज्ञान।आज मनुष्य विज्ञान के कारण ही चंद्रमा तथा अन्य ग्रहों में पहुंचने तथा अंतरिक्ष में भ्रमण करने में सफलता प्राप्त की है। बिना विज्ञान के इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। डॉक्टर संजय गुप्ता ने विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी के सफल आयोजन पर सभी बच्चों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को हार्दिक बधाई दी।

जिले में 4402 क्विंटल धान की हुई खरीदी

कोरबा। जिले में भी समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू हुए 18 दिन हो चुके है। 65 केंद्रों में से अब तक सिर्फ 20 केन्द्रों में ही धान खरीदी की बोहनी हो सकी है। 45 केंद्रों में अभी भी इंतजार है। वनांचल के क्षेत्र में धान कटाई अधिक हुई है। 41 सहकारी समितियों के 65 केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। इस बार किसानों की संख्या 50 हजार से भी अधिक है। पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक कोरबी केंद्र में महिला किसान लीलावती ने 50 क्विंटल धान बेचकर शुरुआत की। यहां अब तक 122 क्विंटल धान की खरीदी हुई है।

सुनालिया चैक पर 2 घंटे तक लगा जाम

कोरबा। कोरबा अंचल में शनिवार को छठ की तैयारी के लिए बड़ी संख्या में लोग बाजार में निकले। बाहरी क्षेत्रों में रहने वाले भी ट्रेन व बसों से वापस लौटे। इस कारण से शहर के प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट नगर से मस्जिद तक पावर हाऊस रोड पर सुबह से यातायात का दबाव बढ़ गया। सुबह करीब 11 बजे पावर हाऊस रोड पर जाम लगा तो सुनालिया चैक पर तैनात बल वहां चला गया, लेकिन इस बीच शहर के रेलवे स्टेशन में एक के बाद एक दो यात्री ट्रेन पहुंच पर वहां से निकले यात्रियों से भरी ऑटो व बाइक सवार लोग का दबाव सुनालिया चैक पर बढ़ गया, जिससे जाम लगना शुरू हो गया। देखते ही देखते चैक के चारों ओर के मार्गो पर वाहन फंस गए। सुनालिया चैक से ट्रांसपोर्ट नगर चैक तक वाहनों की कतार लग गई। चैक पर यातायात पुलिस का सिपाही नहीं होने से जाम की स्थिति जस की तस बनी हुई थी। कुछ लोग अपने स्तर पर जाम खुलवाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वाहन चालक उनकी बात सुनने को तैयार नहीं थे। इस बीच सुनालिया चैक पर जाम लगे होने की सूचना मिलने पर यातायात पुलिस के एएसआई मनोज राठौर वहां पहुंचे। वे अकेले ही जाम को क्लियर कराने लगे। उन्होंने जाम हटवाने के लिए अकेले जूझते देख जागरूक लोग भी उनकी मदद करने लगे। इस बीच वहां से गुजर रहे सिटी कोतवाली के एएसआई अजय सिंह व सिपाही सिंह भी रूककर जाम हटाने में जुट गए। थोड़ी देर बाद पावर हाऊस रोड से जाम खुलवाकर यातायात पुलिस के 2 सिपाही पहुंचे तो जाम खुलवाने में आसानी हो गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सुनालिया चैक पर जाम से राहत मिली। में सबसे ज्यादा यातायात का दबाव सुनालिया चैक पर है, जहां से एक ओर ट्रांसपोर्ट नगर, घंटाघर-निहारिका सहित अन्य क्षेत्र व दूसरी ओर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, पुराने शहर समेत राताखार बाइपास की ओर आवाजाही होती है। रेलवे स्टेशन के लिए यात्रियों की आवाजाही के दौरान व संजय नगर रेलवे फाटक के बंद होने के बाद खुलने पर सुनालिया चैक पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में वहां जरूरत ट्रैफिक सिग्नल लगाने की है, लेकिन अब तक ट्रैफिक सिग्नल नहीं लगा है।

सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ने आमगांव में मतदान किया

नगरी। सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव ने अपने गृह ग्राम आमगांव पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य लखन लाल ध्रुव, ग्राम पंचायत आमगांव के सरपंच आत्माराम शोरी सहित ग्राम के समस्त मतदाताओं ने मतदान किया।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

सोमवार 20 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

महासमुंद में 81.52 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मताधिकार का उपयोग

महासमुंद । विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत महासमुंद जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक के मार्गदर्शन में निर्वाचन कार्य शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न संपन्न हुआ। मतदाताओं में मतदान के लिए उल्लास एवं उत्साह देखा गया। शाम 5 बजे के पश्चात भी कई मतदान केन्द्रों में लोग कतार में खड़े होकर मतदान का इंतजार करते रहे। मतदान में महिलाओं ने पुरूषों के मुकाबले अधिक मतदान किया।

मतदान की प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात मतदान दलों की शुक्रवार देर रात सकुशल वापसी हो गई है। शनिवार को प्रेक्षक, राजनीतिक दलों की उपस्थिति में सभी मशीनों को विधानसभावार स्ट्रांग रूम में सील किया गया। यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। मतगणना 3 दिसंबर को सुबह 8 बजे से पिटियाझर कृषि उपज मंडी परिसर में किया जाएगा।

महिलाओं ने बढ़-चढ़कर मतदान में लिया हिस्सा

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में कुल 81.52 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया। जिसमें विधानसभा क्षेत्र महासमुंद-42 अंतर्गत कुल 2,08,697 मतदाताओं में से 80 हजार 526 पुरुष मतदाताओं तथा 82 हजार 913 महिला मतदाताओं ने मतदान किया। दो थर्ड जेंडर के मतदाताओं ने भी मतदान किया। इस तरह कुल 1,63,441 मतदाताओं ने मत का प्रयोग किया। मतदान का कुल प्रतिशत 78.31 रहा। जिसमें महिलाओं का 77.72 प्रतिशत एवं पुरुषों का 78.94 प्रतिशत मतदान रहा।

विधानसभा क्षेत्र खल्लारी-41 अंतर्गत कुल 2,17,323 मतदाताओं में से 88 हजार 387 पुरुष मतदाताओं तथा 90 हजार 659 महिला मतदाताओं ने वोट किया। एक थर्ड जेंडर मतदाता ने अपने मत का प्रयोग किया। इस तरह कुल 1,79,047 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। मतदान का प्रतिशत 82.39 रहा। जिसमें महिलाओं का 82.09 प्रतिशत एवं पुरुषों का 82.7 प्रतिशत मतदान रहा।

विधानसभा क्षेत्र बसना-40 अंतर्गत कुल 2,24,450 मतदाताओं में से 92 हजार 652 पुरुष मतदाताओं तथा 95 हजार 139 महिला मतदाताओं सहित एक थर्ड जेंडर ने भी मतदान किया। इस तरह कुल 1,87,792 मतदाताओं ने मत का प्रयोग किया। मतदान का प्रतिशत 83.67 रहा। जिसमें महिलाओं का 83.51 प्रतिशत तथा पुरुषों का 83.83 प्रतिशत मतदान रहा।

सरायपाली-39 अंतर्गत कुल 2,05,033 मतदाताओं में से 83 हजार 561 पुरुष मतदाताओं तथा 83 हजार 976 महिला मतदाताओं ने मतदान किया। इस तरह कुल 1,67,537 मतदाताओं ने मत का प्रयोग किया। जिसमें कुल मतदान का प्रतिशत 81.71 प्रतिशत रहा। इसमें महिलाओं की 81.79 प्रतिशत तथा पुरुषों 81.63 प्रतिशत भागीदारी रही।

प्रक्षेक व प्रत्याशी प्रतिनिधि की मौजूदगी में निर्वाचन प्रपत्रों की संवीक्षा

बेमेतरा। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 का दूसरे और अंतिम चरण का ज़िले की तीनों में विधानसभा निर्वाचन संपन्न होने के बाद सभी ईवीएम को ज़िला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में बने स्ट्रांग रूम में लाया गया है। जहां सामान्य प्रेक्षक, कलेक्टर और प्रत्याशियों राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम को सील किया गया।

शनिवार को कृषि उपज मंडी परिसर में सामान्य प्रक्षेक अभिशेक कृष्णा ने ज़िले की तीनों विधानसभा की रिटर्निंग ऑफिसर व अभ्यर्थियों की उपस्थिति में जिले के सभी मतदान केन्द्र पर हुई मतदान सम्बन्धित कागजातों की संवीक्षा की गयी। इसके साथ ही जिस मतदान केंद्र पर मतदान अधिक व कम हुआ उसकी समीक्षा की गयी। वहीं, मतदान केंद्रों पर हुई किसी प्रकार की समस्या के बारे में जानकारी भी ली गयी।

औसत प्रतिशत से अधिक मतदान वाले मतदान केन्द्रों के प्रपत्रों की संवीक्षा की। इसके बाद मतदान केन्द्रवार लिफाफे खोलकर प्रपत्रों की बारीकी से संवीक्षा की गई।

संवीक्षा की निष्पक्षता के लिये संपूर्ण कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई। प्रपत्रों की संवीक्षा के दौरान प्रत्याशी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, तीनों विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर सहित सीईओ ज़िला पंचायत,उप ज़िला निर्वाचन अधिकारी उपस्थित थे।

कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम पहुंचीं ईवीएम

जशपुरनगर। जिले के तीनों विधानसभा जशपुर, कुनकुरी और पत्थलगांव क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। मतदान पश्चात पत्थलगांव विधानसभा एवं कुनकुरी विधानसभा की मतदान सामग्रियों को ठाकुर शोभा सिंह शासकीय महाविद्यालय पत्थलगांव एवं कुनकुरी विधानसभा के मतदान सामग्री को स्वामी आत्मानंद स्कूल कुनकुरी में सुरक्षित सुरक्षा बल के साथ रखा गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी. रविशंकर की अगुवाई में ईवीएम मशीनों को सुरक्षा बल के साथ शासकीय मॉडल स्कूल जशपुर, डोडकाचौरा में सुरक्षित पहुंचाया गया एवं स्ट्रांग रूम को सील किया गया। जशपुर विधानसभा के के ईवीएम मशीनों के पेटियों को पहले ही सुरक्षित सील बंद कर स्ट्रांग रूम में रखा गया है।

जिले में विधानसभा मतदान के पश्चात तीनों विधानसभा जशपुर, कुनकुरी और पत्थलगांव की सभी मतपेटियों के आने के बाद सामान्य प्रेक्षक आईएएस राजीव पराशर और आईएएस राजीव रंजन, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी रविशंकर और राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शासकीय मॉडल स्कूल जशपुर, डोड़काचौरा में स्ट्रांग रूम को सील किया गया। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात हैं। सभी विधानसभा क्षेत्र के दरवाजे पर सुरक्षा के जवान तैनात हो गए हैं। स्ट्रांग रूम में विधानसभा वार विधानसभा के हिसाब से अलग-अलग ईवीएम एवं वीवीपैट रखी गई हैं। प्रशासन द्वारा स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। जिसके लिए मॉनिटरिंग कक्ष बनाया गया है। 3 दिसंबर को मतगणना होगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी रविशंकर ने शासकीय मॉडल स्कूल जशपुर, डोड़काचौरा में स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल और सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा, अपर कलेक्टर आई. एल. ठाकुर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी आर. पी. चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप एवं रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण मतदान के लिए कलेक्टर ने अधिकारी कर्मचारी व मतदाताओं का जताया आभार

महासमुंद। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत जिले की चारों विधानसभाओं में शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न मतदान संपन्न होने पर मतदान कार्य संपादित एवं संपन्न कराने वाले सभी अधिकारियों-कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों सहित जिले के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदान कराने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ मतदान सुचारू ढंग से संपन्न कराने में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का भली-भांति निर्वहन किया, वहीं सुरक्षा कर्मियों द्वारा भी सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया गया। जिले के नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ निर्वाचन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी आस्था व्यक्त की। नए मतदाताओं ने भी पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही। वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों ने भी मतदान किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सकारात्मक व सभी तरह के समाचारों का पर्याप्त कव्हरेज करते हुए सभी को अवगत कराया। स्काउट-गाइड, एनसीसी एवं एनएसएस के मतदाता मित्रों द्वारा मतदान के समय उपयोगी भूमिका निभाई गई, जो सराहनीय है। निर्वाचन के दौरान गठित सभी निगरानी दल व संलग्न सभी कर्मचारियों के पूर्ण समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठ होने के फलस्वरूप यह कार्य संपादित हुआ है, इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

दैनिक दैनन्दिनी. DNX Rate Card

SIZE - 20x11 sqft
Digital Outdoor Advertisement
Led sales & Services
Call- 9630054047, 7000646420, 8435751548

Timing: 10am to 10pm.
Screen Size: 6 x 7.6 ft.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Month	3 Months	6 Months 20% off	1 Year 35% Off
20 second / 100 Daily	₹ 20,000/-	₹ 50,000/-	₹ 80,000/-	₹ 130,000/-
30 second / 100 Daily	₹25,000/-	₹ 60,000/-	₹ 98,000/-	₹ 156,000/-
45 second / 100 Daily	₹ 36,000/-	₹ 90,000/-	₹ 144,000/-	₹ 234,000/-
60 second / 100 Daily	₹45,000/-	₹ 120,000/-	₹ 192,000/-	₹ 312,000/-

Poster Ad.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Day	3 Day	1 Week	15 Days
20 second / 150 Daily	₹ 10,000/-	₹ 20,000/-	₹ 35 000/-	60,000/-
30 second / 150 Daily	₹12500/-	₹ 25 000/-	₹ 45 000/-	75,000/-
45 second / 150 Daily	₹ 17500/-	₹ 35 000/-	₹ 60000/-	90,000/-

Location:
R.S. TOWER
LAVKUSH FURNITURE
Near by:- OVERBRIGE,
RAIPURA CHOWK, RAIPUR (C.G.)

Contact-
9630054047
7000646420
8435751548

Location (2):
SHAHEED BHAGAT
SINGH CHOWK
G.E.ROAD RAIPUR (C.G.)

State office:
Aashirvad
C-255, Rohinipuram
RAIPUR (C.G.)

अमृत वचन

परेशानी से जो अनुभव और सीख मिलती है, वो सीख दुनिया का कोई भी स्कूल नहीं दे सकता है।

संपादकीय

मतदान का दूसरा चरण

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदान का दूसरा चरण भी संपन्न हो गया। शुक्रवार को मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों पर एक साथ और छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान हुआ। इसके बाद अब राजस्थान में 25 नवंबर को और तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान शेष है, 3 दिसंबर को जनता का फैसला सामने आ जाएगा। बहरहाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 7.20 करोड़ से अधिक लोगों ने कुल 300 सीटों के लिए मतदान किया है। छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर को पहले चरण के मतदान में 70 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था और शुक्रवार को भी अंतिम मतदान प्रतिशत उसके ज्यादा दूर नहीं रहेगा। मध्य प्रदेश में तो मतदाताओं के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर तीन बजे तक 60 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हो चुका था। उम्मीद है, दोनों ही राज्यों में मतदान में सुधार का सुखद का अनुभव होगा। वैसे, मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं हिंसा दुखद है। ऐसे इलाकों में भविष्य में सावधानी बरतना जरूरी है।

मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला है। मध्य प्रदेश में भाजपा अपनी सरकार बचाने की कोशिश में है, तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता अपने पास बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ भी एक ऐसा प्रदेश है, जहां भाजपा और कांग्रेस के मतदान प्रतिशत के बीच ज्यादा अंतर नहीं रहता है और अनेक बार तो सीटों का अंतर भी बहुत कम होता है। जमीनी आधार पर अगर देखें, तो जितनी मजबूत भाजपा है, लगभग उतनी ही मजबूत कांग्रेस है। मतदान प्रतिशत में थोड़ा भी अगर इधर-उधर हुआ, तो सीटों में बड़ा अंतर दिख सकता है। राजस्थान में भी पिछली बार सीटों का अंतर ज्यादा नहीं था। खैर, अगर राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वर्चस्व दिखा, तो इससे विपक्षी गठबंधन को मजबूती मिलेगी और इसका फायदा कांग्रेस के साथ पूरे विपक्षी गठबंधन को अन्य राज्यों में भी होगा। अगर भाजपा मध्य प्रदेश में फिर जीत जाए और कांग्रेस से एक राज्य भी छीन ले, तो यह विपक्षी गठबंधन के लिए बुरा संकेत होगा। विधानसभा चुनाव के चाहे जो नतीजे हों, लोकसभा चुनाव में तीखा मुकाबला तय है। भाजपा ने इन विधानसभा चुनावों में पूरा जोर लगा रखा है, क्योंकि उसे पता है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में जीतना कितना महत्वपूर्ण है।

आमतौर पर कहीं भी भारी मतदान की स्थिति नहीं है, और भारी मतदान की स्थिति में यह सामान्य आकलन किया जाता है कि सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ लोग नाराज हैं। वास्तव में, चुनावों के प्रति लोगों को जितना स्वाभाविक लगाव होना चाहिए, उतना नहीं है। मतदान के लिए खूब प्रेरित करने के बावजूद मतदान 80 प्रतिशत को नहीं छू पा रहा है। लोक-लुभावन घोषणाओं की भरमार भी एक संकेत है कि जीत के प्रति कोई भी दल आश्वस्त नहीं है और इसीलिए मतदाताओं को रिझाने का कोई भी प्रयास हाथ से जाने नहीं देना चाहता। खास बात यह भी है कि इन चुनावों में घोषणा की जगह गारंटी शब्द का इस्तेमाल ज्यादा हुआ है। शुक्रवार को तेलंगाना में कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए कहा है कि सभी छह गारंटी को पहली कैबिनेट बैठक में ही लागू कर दिया जाएगा। निस्संदेह, हमारी राजनीति अब कोरे कागजी वादों-आश्वासनों से आगे निकलकर ठोस गारंटी तक पहुंच गई है। अब लोगों ने किस पर विश्वास किया, यह तो 3 दिसंबर को पता चलेगा, सबको इंतजार है।

सेहत

नॉन स्टिक पैन ऐसे करें साफ

अक्सर घरों में इन दिनों नॉन स्टिक पैन का इस्तेमाल किया जाता है। कम घी-तेल वाला खाना खाने वाले लोगों को अक्सर इसका इस्तेमाल रोजाना करते देखा गया है। इस तरह के पैन की अगर अच्छे से केयर न की जाए तो ये खराब होने लगते हैं। इसी के साथ गंदे भी दिखने लगते हैं। कई बार इनकी कोटिंग तक निकलने लगती है। लेकिन क्या आपने यह सोचा है कि ऐसा क्यों होते है, दरअसल ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इसका इस्तेमाल सही तरीके से नहीं किया जाता है। जानते हैं नॉन स्टिक पैन को साफ करने और इसकी चमक बनाएं रखने की आसान और सिंपल टिप्स-

डिश वॉशिंग लिक्विड से करें साफ

इस बात का ध्यान रखें कि नॉन स्टिक बर्तनों को स्पॉन्ज की मदद से साफ किया जाता है। अगर बर्तन पर ज्यादा दाग नहीं लगे हैं तो उसे डिश वॉश की मदद से साफ करें।

ब्लीचिंग पाउडर से करें साफ

पैन को साफ करने के लिए ब्लीचिंग पाउड का इस्तेमाल करें। इसके लिए ब्लीचिंग पाउडर को गर्म पानी में मिलाएं और फिर इससे पैन की सफाई करें। ब्लीचिंग पाउडर से आपके पैन की चमक भी बनी रहेगी।

एल्युमिनियम फॉइल से करें साफ

नॉन स्टिक पैन को साफ करने के लिए एल्युमिनियम फॉइल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एल्युमिनियम फॉइल की बॉल्स लपेटकर बर्तन धोने वाले पाउडर के साथ मिक्स करके पैन की सफाई करें। ऐसा करने से बर्तन के दाग दूर हो जाएंगे। ध्यान रखएं की स्पेशल कोटिंग वाले पैन पर यह टिप न अजमाएं।

बेकिंग सोडा से करें साफ

पैन पर जमा दाग को हटाने के लिए बेकिंग सोडा के साथ नमक और सिरके को मिक्स करें। इससे पैन को स्क्रब करें और फिर साफ पानी से धो लें। इससे पैन अच्छे से साफ हो जाएगा।

महासंग्राम रचते मोबाइल फोन

- शशि शेखर

विपक्षी नेताओं और कुछ पत्रकारों की तथाकथित जासूसी का जिन्न एक बार फिर बोतल से बाहर आ धमका है। उसने नए आरोप और प्रत्यारोप तो जन दिए हैं, पर हकीकत? आज तक खास लोगों से जुड़ी असलियत अक्सर अर्द्धसत्य की ओट में चेहरा छिपाती आई है।

बताने की जरूरत नहीं कि गई 31 अक्तूबर के शुरुआती लम्हों में कुछ लोगों के मोबाइल फोन पर एप्पल की ओर से संदेश उभरे कि आपका फोन 'स्टेट स्पॉन्सर्ड हैकर्स' के निशाने पर है। इनमें महुआ मोइत्रा, शशि थरूर, असदुद्दीन ओवैसी जैसे मुखर सांसदों के नाम शामिल थे। सुबह की उजास में अभी समय था, पर हंगामा होना था, तत्काल हुआ।

अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, इनके अलावा अखिलेश यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल, पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, टीएस सिंहदेव, प्रियंका चतुर्वेदी, राघव चड्ढा, सीताराम येचुरी, अरविंद केजरीवाल के ओएसडी और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक को भी समान संदेश हासिल हुए थे। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर सरन और दो वरिष्ठ पत्रकारों के नाम भी अलर्ट पाने वालों की सूची में शामिल थे।

इनमें से एक, सिद्धार्थ वरदराजन ने जुलाई 2021 में पेगासस नाम के एक खुफिया सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की खबर ब्रेक कर भारतीय राजनीति में भूचाल ला दिया था। उस खबर के अनुसार, पहली बार इतने बड़े पैमाने पर नामचीन नेताओं, न्यायाधीशों, पत्रकारों और कारोबारियों के फोन निगरानी में थे। राहुल गांधी भी उनमें एक थे। राजनीतिक हो-हल्ले के अलावा यह मामला सुप्रीम कोर्ट की ड्योढ़ी तक जा पहुंचा था। अक्तूबर 2021 में उच्चतम न्यायालय ने इस संबंध में एक टेक्निकल कमेटी गठित की, ताकि मामले की संपूर्ण जांच हो सके। अगले वर्ष समिति ने अपनी रिपोर्ट माननीय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सौंपी। सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने योग्य नहीं माना और साथ ही सरकारी अधिकारियों पर कड़ी टिप्पणी की कि उन्होंने सहयोग नहीं किया।

क्या इतने से मान लिया जाए कि ऐसा ऊंचा मामला राजनीति प्रेरित था और अधिकारी दबाव में थे?

जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। किसी भी मालवेयर या सॉफ्टवेयर का देश के राजनीतिज्ञों, कारोबारियों और पत्रकारों के विरुद्ध निजी या राजनीतिक निहितार्थों के लिए प्रयोग यकीनन अनुचित है, लेकिन उन्हें प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। आतंकवादियों, उनके मददगारों और देश-विदेश में बैठे उनके रणनीतिकारों को काबू में रखने के लिए संसार का हर देश इनका इस्तेमाल करता आया है। इजरायल और गाजा युद्ध ने पूरे विश्व की खुफिया एजेंसियों को जो सदमा पहुंचाया है, उससे भी ऐसे मालवेयर्स के इस्तेमाल में बढ़ोतरी आने वाली है।

ऐसा एक मामला पिछले दिनों चर्चा में आया था, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड' में तैनात एक मेजर को बर्खास्त कर दिया। मेजर पर गोपनीय सूचनाएं अपने फोन में 'स्टोर' कर उन्हें देश के विरुद्ध इस्तेमाल करने का आरोप है। वह जिस 'पटियाला पेग' वाट्सएप ग्रुप का सदस्य था, उसमें एक दर्जन अन्य अधिकारी या महत्वपूर्ण सैन्य-कर्मी शामिल थे। वे सभी जांच के घेरे में हैं। देश की सुरक्षा के लिए जरूरी यह भंडाफोड़ बिना इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के संभव न था। पेगासस और ऐसे अन्य सॉफ्टवेयर इसी काम के लिए डेवलप किए गए थे। उनका सदुपयोग अगर रक्षक है, तो दुरुपयोग? सत्ता संस्थानों और उनकी एजेंसियों पर इनके सही इस्तेमाल की जिम्मेदारी बनती है। अपने नागरिकों की निजता की रक्षा संसार की हर लोकतांत्रिक सरकार का अनिवार्य दायित्व है।

daily समाचार.com
daily समाचार.com
डेली samachaar.com
डेली samachaar.com

> आपको वर्ष 2000 का 'साउथ अफ्रीका क्रिकेट मैच फिक्सिंग कांड' याद होगा। उस समय पूरी दुनिया सकते में आ गई थी। इस सट्टेबाजी का जाल दक्षिण अफ्रीका से लेकर भारत तक फैला हुआ था। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान हेंसी क्रोनिए और भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन इसकी चपेट में आ गए थे। उनके कई साथियों का करियर तबाह हो गया था। क्रोनिए ने न्यायिक आयोग के समक्ष अपना जुर्म कुबूल कर लिया था, मगर अजहरुद्दीन पर दोष सिद्ध नहीं हो सका। बाद में वह भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च पंचायत लोकसभा के भी सदस्य बने।

अब मौजूदा प्रकरण पर लौटते हैं। 'स्टेट स्पॉन्सर्ड हैकर्स' पर हंगामे के बाद एप्पल का स्पष्टीकरण वायरल होने लगा, जो अपने-आप में पहेली है। इसके साथ ही भारत सरकार के रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का भी बयान आया कि एप्पल ने यह 'अलर्ट' 150 देशों में अपने उपभोक्ताओं के लिए एक साथ जारी किया था। सवाल उठता है कि क्या विपक्ष ने मौके का फायदा उठाते हुए 'विक्टिम कार्ड' खेल दिया है? सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रवक्ता इस आरोप पर सान चढ़ाने में जुटे हैं। इसी बीच सत्ता पक्ष के प्रवक्ता ने राहुल गांधी से पूछा कि वह अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस और विदेशी एजेंसियों की प्रायोजित कहानियों को तरजीह क्यों देते हैं? वह कुछ देर पूर्व राहुल गांधी द्वारा पत्रकार वार्ता में लगाए गए आरोपों का जवाब दे रहे थे। राहुल ने एक उद्योगपति का नाम लेते हुए इस प्रकरण में तीखा हमला बोला था।

सत्य कहां है? क्या वह कभी सामने आ पाएगा? भूलें नहीं। अति-महत्वपूर्ण लोगों से जुड़े मामले आमतौर पर सीलबंद फाइलों में दफ्न हो जाते हैं। सुभाष चंद्र बोस और लाल बहादुर शास्त्री की रहस्यमय मौत या इंदिरा गांधी की हत्या से जुड़े आयोगों की रिपोर्ट कभी जगजाहिर नहीं हुई। यह सूची लंबी है।

यहां एक और सवाल उठता है कि क्या सिर्फ इसी सरकार में ऐसे विवाद उठ रहे हैं? ऐसा नहीं है। अतीत में फोन टेपिंग और अवैधानिक जासूसी पर सरकारें तक बेदखल हुई हैं, लेकिन मैं आपको इतिहास के अबूझमाड़ में नहीं ले जाना चाहता। हम दो अति-महत्वपूर्ण मामलों की याद से काम चला सकते हैं।

आप 'नीरा राडिया टेप कांड' को नहीं भूले होंगे। उस दौरान तमाम नेताओं, पत्रकारों, अभिनेताओं, कारोबारियों और नामचीन हस्तियों की फोन-वार्ताएं लीक हुई थीं। उन दिनों जो कुछ फिजां में तैर रहा था, वह राजनीति, कारोबार, पत्रकारिता और ग्लैमर की दुनिया की दुरभिसंधियों को सामने लाने के लिए पर्याप्त था। तब भी ऐसा ही तूफान बरपा हुआ था। तमाम तर्क उभरे थे, पर हुआ क्या? दुरभिसंधियां आगे बढ़ने का रास्ता ढूंढ़ लेती हैं।

आपको वर्ष 2000 का 'साउथ अफ्रीका क्रिकेट मैच फिक्सिंग कांड' याद होगा। उस समय पूरी दुनिया सकते में आ गई थी। इस सट्टेबाजी का जाल दक्षिण अफ्रीका से लेकर भारत तक फैला हुआ था। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान हेंसी क्रोनिए और भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन इसकी चपेट में आ गए थे। उनके कई साथियों का करियर तबाह हो गया था। क्रोनिए ने न्यायिक आयोग के समक्ष अपना जुर्म कुबूल कर लिया था, मगर अजहरुद्दीन पर दोष सिद्ध नहीं हो सका। बाद में वह भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च पंचायत लोकसभा के भी सदस्य बने।

हमारे देश में अपराध, जांच और उनके अंतिम निष्कर्षों में साम्य कतई जरूरी नहीं।

इस मैच फिक्सिंग कांड के बाद भी सट्टेबाजी रुकी कहां? कुछ वर्ष पूर्व मैच फिक्सिंग के आरोप में क्रिकेट स्टार श्रीसंत, अजित चंदीला के साथ तमाम उभरते क्रिकेटरों पर प्रतिबंध लगाया गया था। कुछ को सजा भी मिली, लेकिन क्या यह तमाशा रुक गया? क्रिकेट को इस देश में धर्म जैसा दर्जा प्राप्त था, बाजार ने उसे 'क्रेजी गेम' में तब्दील कर दिया। अब निजता भी क्या चौराहे पर चर्चा का मुद्दा बनने जा रही है? तकनीक ने अगर बहुत कुछ सुगम किया है, तो कुछ नए जोखिम भी जन दिए हैं। पिछले कई विवाद तकनीक के दुरुपयोग के गवाह हैं, पर इससे मुक्ति की राह फिलहाल खुलती नजर नहीं आती।

अमेरिका पढ़ने जाने में भारतीय सबसे आगे

- हरिवंश चतुर्वेदी

अमेरिका पढ़ने जाने वाले भारतीयों में सबसे पहले पंडिता रमाबाई और आनंदी बाई जोशी का नाम आता है। आनंदी बाई जोशी ने 1886 में वहां से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की थी। पिछली सदी की शुरुआत में भारत से जो छात्र पढ़ने गए, उन्होंने ज्यादातर कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के बर्कले कैंपस में पढ़ाई की। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर भी वहां पढ़ने गए थे और लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भी बीए, एमए की पढ़ाई वहां से की थी। वैसे अमेरिका पढ़ने गए भारतीयों की संख्या कम थी।

जब 1965 में अमेरिका ने अपने नियम उदार किए, तब भारतीयों का वहां जाना आसान हुआ। हालांकि, 21वीं सदी की शुरुआत में ही अमेरिका जाने वाले भारतीयों की लहर सी आई। जब भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिका में काम मिलने लगा और वहां पर आईटी पेशेवरों की कमी होने लगी, तब पढ़ाई और नौकरी के लिए अमेरिका जाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ी। यूनेस्को के अनुसार, साल 2021 में पांच लाख आठ हजार छात्र अमेरिका में पढ़ रहे थे। अमेरिका जाने वाले कुल छात्रों की संख्या में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। अब भारतीय छात्र अमेरिका पढ़ने जाने वालों में अव्वल स्थान पर आ गए हैं और चीन अब दूसरे स्थान पर आ गया है।

ऐसा होने के तीन प्रमुख कारण हैं। एक यह कि पढ़ाईकरते हुए अमेरिका में छात्रों को महीने में बीस घंटे काम करने की मंजूरी है। इससे बहुत से छात्र अपना कुछ खर्च निकाल लेते हैं। दूसरा कारण, भारतीय छात्र मेधावी हैं और विज्ञान, गणित, टेक्नोलॉजी में वे दूसरे देशों के छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। तीसरा कारण, अमेरिका में औसतन 150 देशों के छात्र पढ़ते हैं, तो वहां पढ़ने से अनेक देशों के छात्रों में संवाद होता है। नए विचार मिलते हैं और एक छात्र का वैश्विक नेटवर्क तैयार होता है, संभावनाएं बढ़ती हैं। और भी कारण हैं। जैसे, भारत-अमेरिका संबंध सुधरे हैं। पिछली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान 52 समझौते हुए थे, जिनमें उच्च शिक्षा संबंधी एमओयू भी शामिल था, इससे भी पिछले साल भारत से अमेरिका जाने वालों की संख्या बढ़ी है।

अब चीन से अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या कम हो रही है। 15 साल तक चीन पहले स्थान पर रहा है और पिछले साल भारत पहले स्थान पर आ गया है। चीन से करीब 1.26 लाख छात्र स्नातक पाठ्यक्रम के लिए अमेरिका गए, जबकि भारत से करीब 1.68 लाख।

अब सवाल उठता है कि क्या इतनी बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों के अमेरिका जाने से भारत को नुकसान नहीं है? इस मद में करीब छह अरब डॉलर सिर्फ शिक्षा शुल्क के रूप में हर साल भारत से अमेरिका जा रहा है। जितने छात्र वहां पढ़ रहे हैं, उनका कुल खर्च 28 अरब डॉलर सालाना है।

इसके अलावा योग्य छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं और उनमें से करीब 70 से 80 प्रतिशत छात्र वहीं बस जाएंगे। मतलब भारत की प्रतिभा भी गई और पैसा भी। इसका दूसरा पहलू भी है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका जाकर अच्छा काम करेंगे, तो भारत की साख बढ़ेगी। आज अनेक बड़ी कंपनियां हैं, जिनकी बागडोर भारतीयों के हाथों में है। एक धारणा यह बनी है कि भारत बुद्धिमान लोगों का देश है। इसके अलावा एक अपेक्षा यह भी है कि भारतीय लोग अमेरिका में पैसे कमाएंगे, तो भारत भी भेजेंगे, इससे भी देश की ताकत बढ़ेगी। ध्यान रहे भारतीयों द्वारा पढ़ने और रहने के लिए अमेरिका में जो 28 अरब डॉलर खर्च हो रहे हैं, वह भारत के शिक्षा बजट से बहुत ज्यादा है। अगर भारत में ही अच्छी शिक्षा मिले, तो बड़ी संख्या में छात्रों का विदेश जाना रुकेगा। फिलहाल तो उच्चवर्गीय परिवारों में विदेश जाकर पढ़ना फैशन बन गया है। हैदराबाद में तो बाकायदा एक देवता हैं, जहां जाकर लोग वीजा के लिए उनकी पूजा करते हैं।

भारतीय छात्रों को विदेश आमंत्रित करने वाली पूरी व्यवस्था देश के अनेक शहरों में स्थापित हो चुकी है। यहां से समाधान आसान नहीं है, पर समग्रता में प्रयास जरूर करने चाहिए, ताकि हम अपने देश की प्रतिभा और धन, दोनों को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में यहीं रोक सकें। भारत में भी उच्च-स्तरीय शिक्षा को सुलभ बनाने के तमाम प्रयास होने चाहिए और इसके लिए सबसे पहले शिक्षा का बजट बढ़ना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मेहनत की कमाई का मूल्य

एक धनाढ्य व्यक्ति का इकलौता पुत्र बिगड़ गया था। वह धन की परवाह नहीं करता था। पिता ने सोचा, पुत्र को सही रास्ते में लाना बहुत जरूरी है। एक दिन उसने पुत्र को बुलाया और 100 रुपये का नोट देकर कहा, 'जाओ इसे कुएं में फेंक दो।' बेटे ने वैसा ही किया। अगले दिन फिर पिता ने 100 रुपये का नोट दिया और बेटे को कुएं में फेंकने को कहा। तीन-चार दिन ऐसे ही चलता रहा। फिर एक दिन पुत्र ने पिता से खर्च के लिए पैसे मांगे तो उन्होंने कहा, 'आज पैसे नहीं मिलेंगे, स्वयं कमाकर लाओ।' पुत्र दिनभर मेहनत करके बमुश्किल 10 रुपये कमा पाया। वह पिता के पास कमाया हुआ पैसा लेकर गया तो पिता ने उसे कुएं में फेंकने के लिए कहा। पुत्र ने इसे फेंकने से इंकार कर दिया और बोला, 'इतनी मेहनत से कमा कर लाया हूं और आप इसे फेंकने के लिए कह रहे हो।' आज पुत्र मेहनत की कमाई का मूल्य जान गया था। मेहनत से जो प्राप्त होता है उसका आनंद ही अलग है। सहज से मिले धन में वो खुशी नहीं है।

प्रस्तुति : श्रीमती प्रवीण शर्मा

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप सबका भरोसा जीतने में कामयाब रहेंगे। वाणिज्यिक विषयों में गति आएगी और मित्रों के साथ आप कुछ यादगार पल व्यतीत करेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आपकी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। रक्त संबन्धी रिश्तों पर आपका पूरा जोर रहेगा। धार्मिक कार्य के प्रति आप सतर्क रहेंगे। यदि किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसमें आपको सावधानी बरतनी होगी। व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन थोड़ा कमजोर रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए लेनदेन के मामले में सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आप मेहनत और विश्वास से किसी लक्ष्य पर चलेंगे। दान धर्म के कार्य में आपके पूरी रुचि रहेगी। निजी मामलों में आपको सूझबूझ से आगे बढ़ना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए साझेदारी में किसी काम को करने के लिए अच्छा रहेगा। बिजनेस में आप कुछ योजनाओं पर पूरा ध्यान देंगे। आप किसी भूमि, वाहन, मकान आदि की खरीदारी करने की योजना यदि आप लंबे समय से कोशिश कर रहे थे, तो वह कोशिश आज कामयाब रहेगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी उलझन भरे कार्य को करने से बचने के लिए रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों को सावधान रहना होगा। सेवा क्षेत्र से जुड़कर आप अच्छा नाम होगा। लेनदेन से संबंधित मामले में आपको सावधानी बरतनी होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। बुद्धि विवेक से कोई निर्णय लेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। परिवार में सदस्यों के साथ आप सुखद समय व्यतीत करेंगे। कामकाज के मामले में आप किसी आप किसी पर भरोसा ना करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी मांगलिक कार्यक्रम से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। घर परिवार में आपको किसी काम को लेकर समस्या हो सकती है। पारिवारिक मामले आपके पक्ष में रहेंगे। आवश्यक कामों पर आपको पूरा फोकस बनाए रखना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा। भाई बंधुओं से आपकी नजदीकियां बढ़ेगी और भाईचारे की भावना आपके मन में बनी रहेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। आपकी सुख समृद्धि बढ़ने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। बड़ों के साथ में सम्मान बनाए रखें। संतान को संस्कारों और परंपराओं का पाठ पढ़ेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मध्य रूप से फलदायक रहने वाला है। सबके हित का भाव आपके अंदर बना रहेगा। आपको कुछ महत्वपूर्ण चर्चा में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। व्यापार कर रहे लोग व्यापार में कुछ नये उपकरणों को ला सकते हैं। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम को करने से बचने के लिए रहेगा और आप अपने सभी कर्तव्यों को जिम्मेदारियों से पूरा करें। दान धर्म के कार्य में भी आप आगे रहेंगे, जिससे आपके अच्छे कामों से आपकी छवि और निखरेगी।

चूहों को गंध से भटकाकर फसलों की सुरक्षा

यह तो सब जानते हैं कि चूहे घर के सामान का कितना नुकसान करते हैं। चूहों जैसे कृंतकों के कारण हर साल लगभग 7 करोड़ टन अनाज की भी बर्बादी होती है। वे खेतों में बोए बीजों को खोद-खोदकर खा जाते हैं और फसल बर्बाद कर देते हैं। चूहों से निजात के लिए खेतों में बिल्लियां छोड़ने से लेकर ज़हर देने तक के कई तरीके आज़माए गए हैं। लेकिन ये सब महंगे हैं। ज़हर या कीटनाशक का छिड़काव सिर्फ एक बार करने से काम नहीं बनता। ऊपर से ये ज़हर चूहों के अलावा अन्य जीवों को भी मार देते हैं।

इसलिए शोधकर्ता कुछ ऐसे विकल्प की तलाश में थे जो जेब पर भारी न पड़े, अन्य जीवों को नुकसान न पहुंचाए और चूहों से होने वाला नुकसान कम से कम हो जाए। पूर्व अध्ययन में देखा गया था कि पक्षियों की गंध का 'छद्मावरण' देने से शिकारी भटक जाते हैं। शोधकर्ताओं ने पक्षियों की गंध को कुछ ऐसी जगहों पर बिखेर दिया जहां ये पक्षी वास्तव में कभी नहीं जाते थे।

शुरू-शुरू में बिल्ली व इनके अन्य शिकारी जीव गंध का पीछा करते हुए अपने शिकार को ढूंढने उन जगहों पर पहुंचे थे, लेकिन कुछ दिनों बाद उन्होंने इस गंध को 'धोखा' मान लिया और गंध का पीछा करना छोड़ा दिया। फिर जब घोंसला बनाने के मौसम में ये पक्षी वास्तव में वहां आए तो गंध को छलावा मानकर इनके शिकारियों ने इन तक पहुंचने की चेष्टा नहीं की।

चूहे भी भोजन ढूंढने के लिए गंध पर निर्भर होते हैं। गेहूं के मामले वे गेहूं के भ्रूण से आने वाली गंध सूंघते हुए पहुंचते हैं। तो युनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के जीव वैज्ञानिक पीटर बैंक और उनके दल ने सोचा कि क्या इसी तरह चूहों को भी भटकाया जा सकता है।

यह जांचने के लिए शोधकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के ग्रामीण इलाके के गेहूं के एक खेत को 10म10 मीटर के 60 भूखंडों में बांटा। कुछ भूखंडों पर सिर्फ गेहूं के भ्रूण की गंध छिड़की गेहूं नहीं बोए। कुछ भूखंडों में बीज भी बोए और गंध भी छिड़की। और कुछ भूखंडों में सिर्फ बीज बोकर छोड़ दिया।

पूर्व अध्ययन के हिसाब से शोधकर्ताओं को उम्मीद थी कि स्थानीय चूहे खाली खेतों के छलावे से समझ जाएंगे कि गंध के पीछे भागकर बीज ढूंढना ऊर्जा और समय की बर्बादी है, पर ऐसा नहीं हुआ। लेकिन गेहूं बोने के साथ गंध का छिड़काव करने का तरीका काम कर गया।

जिन खेतों में गेहूं की बहुत अधिक गंध आ रही थी वहां चूहे यह पता ही नहीं कर पाए कि वास्तव में बीज हैं कहां।

नेचर सस्टेनेबिलिटी की रिपोर्ट के मुताबिक गंध रहित बुवाई वाले खेतों की तुलना में गंध सहित बुवाई वाले खेतों में फसल को 74 प्रतिशत कम नुकसान हुआ।

अच्छी बात यह है कि गेहूं की गंध का छिड़काव करने के लिए आम तौर पर किसानी में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों से काम चल जाएगा। गंध के लिए गेहूं का तेल मिलों का सह-उत्पाद होता है, इसलिए इसमें कोई अतिरिक्त खर्चा भी नहीं आएगा।

तो किसानों के लिए यह उपाय अपनाना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। बहरहाल, यह जानना बाकी है कि कितनी मात्रा में और कितनी बार गंध छिड़काव पर्याप्त होगा, इसे हर साल छिड़कना होगा या मात्र तब छिड़कने से काम चल जाएगा जब चूहे ज़्यादा हों। **(एजेंसी)**

मानव मस्तिष्क ऑर्गेनॉइड का चूहों में प्रत्यारोपण

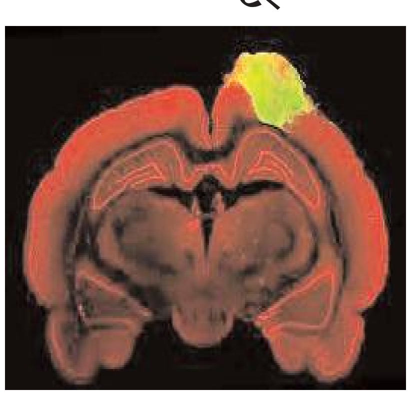

आजकल ऑर्गेनॉइड्स (अंगाभ) अनुसंधान की एक प्रमुख धारा है। ऑर्गेनॉइड का मतलब होता है ऊतकों का कृत्रिम रूप से तैयार किया गया एक ऐसा पिंड जो किसी अंग की तरह काम करे। विभिन्न प्रयोगशालाओं में विभिन्न अंगों के अंगाभ बनाने के प्रयास चल रहे हैं। इन्हीं में से एक है मस्तिष्क अंगाभ।

सेल स्टेम सेल नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित एक शोध पत्र में बताया गया है कि पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मानव मस्तिष्क अंगाभ को चूहे के क्षतिग्रस्त मस्तिष्क में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित कर दिया है। और तो और, अंगाभ ने शेष मस्तिष्क के साथ कड़ियां भी जोड़ लीं और प्रकाश उद्दीपन पर प्रतिक्रिया भी दी।

शोध समुदाय में इसे एक महत्वपूर्ण अपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि अन्य अंगों की तुलना में मस्तिष्क कहीं अधिक जटिल अंग है जिसमें तमाम कड़ियां जुड़ी होती हैं। इससे पहले मस्तिष्क अंगाभ को शिशु चूहों में ही प्रत्यारोपित किया गया था; मनुष्यों की बात तो दूर, वयस्क चूहों पर भी प्रयोग नहीं हुए थे।

वर्तमान प्रयोग में पेनसिल्वेनिया की टीम ने कुछ वयस्क चूहों के मस्तिष्क के विज़ुअल कॉर्टेक्स नामक हिस्से का एक छोटा सा भाग निकाल दिया। फिर इस खाली जगह में मानव मस्तिष्क कोशिकाओं से बना अंगाभ डाल दिया। यह अंगाभ रेत के एक दाने के आकार का था। अगले तीन महीनों तक इन चूहों के मस्तिष्क की जांच की गई।

जैसी कि उम्मीद थी प्रत्यारोपित अंगाभों में 82 प्रतिशत पूरे प्रयोग की अवधि में जीवित रहे। पहले महीने में ही स्पष्ट हो गया था कि चूहों के मस्तिष्कों में इन अंगाभों को रक्त संचार में जोड़ लिया गया था और जीवित अंगाभ चूहों के दृष्टि तंत्र में एकाकार हो गए थे। यह भी देखा गया कि अंगाभों की तंत्रिका कोशिकाओं और चूहों की आंखों के बीच कनेक्शन भी बन गए थे। यानी कम से कम संरचना के लिहाज़ से तो अंगाभ काम करने लगे थे। इससे भी आगे बढ़कर, जब शोधकर्ताओं ने इन चूहों की आंखों पर रोशनी चमकाई तो अंगाभ की तंत्रिकाओं में सक्रियता देखी गई। अर्थात अंगाभ कार्य की दृष्टि से भी सफल रहा था। लेकिन फिलहाल पूरा मामला मनुष्यों में परीक्षण से बहुत दूर है हालांकि यह सफलता आगे के लिए आशा जगाती है।

(एजेंसी)

पश्चिमी घाट का पालक्कड़ (पालघाट) दर्रा

- डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन, सुशील चंदानी

पश्चिमी घाट का एक अहम विभाजक कहा जाने वाला पालक्कड़ दर्रा लगभग 40 किलोमीटर चौड़ा है। इसके दोनों ओर समुद्र तल से 2000 मीटर तक ऊंचे, एकदम खड़ी ढलान वाले नीलगिरी और अन्नामलाई पर्वत हैं।

ऐतिहासिक रूप से पालक्कड़ दर्रा केरल राज्य में प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण रहा है। यहां से कोयम्बटूर को पालक्कड़ से जोड़ने वाले सड़क और रेल मार्ग गुज़रते हैं। इसके बीच से भरतप्पुझा नदी बहती है। पश्चिमी घाट के ऊष्णकटिबंधीय वर्षावनों के विपरीत, पालक्कड़ दर्रे की वनस्पति शुष्क सदाबहार वन की श्रेणी में आती है। यह दर्रा पश्चिमी घाट में पाई जाने वाली वनस्पतियों और जंतुओं का विभाजक भी है। उदाहरण के लिए, मेंढकों की कई प्रजातियां दर्रे के केवल एक तरफ पाई जाती हैं।

भूवैज्ञानिक उथल-पुथल

यह दर्रा एक भूवैज्ञानिक अपरूपण क्षेत्र है जो पूर्व-पश्चिम की ओर खुलता है। अपरूपण क्षेत्र पृथ्वी की भूपर्पटी के कमज़ोर क्षेत्र होते हैं - यही कारण है कि कोयम्बटूर क्षेत्र में कभी-कभी भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

माना जाता है कि पालक्कड़ दर्रे का निर्माण ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के गोंडवाना भूभाग से टूटकर अलग होने के बाद महाद्वीपीय जलमग्न तटों के बहाव की वजह से हुआ है। भारत और मेडागास्कर तब तक एक ही भूभाग का हिस्सा थे जब तक कि बड़े पैमाने पर हुई ज्वालामुखीय गतिविधि ने दोनों को विभाजित नहीं कर दिया था; यह विभाजन वहां हुआ था जहां पालक्कड़ दर्रा है - यह दर्रा बिलकुल मेडागास्कर के पूर्वी ओर स्थित रेनोत्सरा दर्रे का दर्पण प्रतिबंब है। दर्रा कितना पहले बना था? मेडागास्कर लगभग 10 करोड़ साल पहले अलग हो गया था, और दर्रा इससे पहले बन गया था; लेकिन कितने पहले बना था इस पर अभी सोच-विचार जारी है।

यह अनुमान है कि दर्रे के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्र में पाई जाने वाली प्रजातियों में अंतर का एक कारण प्राचीन नदी या सुदूर अतीत में समुद्र की घुसपैठ हो सकता है। नीलगिरी पर्वत पर पाए जाने वाले हाथियों के माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए अन्नामलाई पर्वत और पेरियार अभयारण्यों में पाए जाने वाले हाथियों से भिन्न होते हैं।

आईआईएससी बैंगलोर द्वारा किए गए एक अध्ययन में पेट पर सफेद धारी वाले शॉर्टविंग पक्षी के डीएनए अनुक्रम के विस्तृत डैटा का विश्लेषण किया गया है। शॉर्टविंग एक स्थानिक और संकटग्रस्त पक्षी है। ऊटी और बाबा बुदान के आसपास पाए जाने वाले पक्षियों को नीलगिरी ब्लू रॉबिन कहा जाता है; अन्नामलाई पर पाए जाने वाले पक्षी दिखने में थोड़े अलग होते हैं, और इन्हें व्हाइट-बेलीड ब्लू रॉबिन कहा जाता है।

दर्रे का दक्षिणी भाग

किसी भी क्षेत्र की जैव विविधता दो तरीकों से व्यक्त की जाती है। एक, प्रजातियों की प्रचुरता से। यानी किसी पारिस्थितिकी तंत्र में कितनी प्रजातियां पाई जाती हैं। और दूसरा, फाइलोजेनेटिक विविधता से। फाइलोजेनेटिक विविधता में देखा जाता है कि वहां उपस्थित प्रजातियों के बीच जैव विकास की दृष्टि से कितनी दूरी है।

हैदराबाद स्थित सीसीएमबी और अन्य संस्थानों के शोधदल द्वारा प्रोसीडिंग्स ऑफ दी रॉयल सोसायटी बी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार पालक्कड़ दर्रे के दक्षिणी पश्चिमी घाट में ये दोनों विविधताएं प्रचुर मात्रा में हैं। मैग्नोलिया चंपका (चंपा) सहित यहां पेड़ों की 450 से अधिक प्रजातियां हैं, जो यहां लगभग 13 करोड़ वर्षों से अधिक समय से हैं।

भूमध्य रेखा से करीब होने के कारण गर्म मौसम और नम हवा के कारण दक्षिणी पश्चिमी घाट में बहुत बारिश होती है। इसलिए यह क्षेत्र जीवन के सभी रूपों के लिए एक आश्रय की तरह रहा है, भले ही बार-बार आते हिमयुगों और सूखे के चक्र ने आसपास के क्षेत्रों में जैव विविधता कम कर दी हो। देखा जाए तो पालक्कड़ दर्रे के उत्तर की ओर सालाना अधिक बारिश होती है, लेकिन दक्षिणी हिस्से में साल भर समान रूप से बारिश होती है। **(एजेंसी)**

मच्छर कुछ लोगों को ज्यादा काटते हैं?

यह तो जानी-मानी बात है कि मच्छर हमारे शरीर से निकलने वाली गंध सूंघकर हमें खोजते हैं। काश, यह पता चल जाए कि वह कौन-सी गंध है जो इन्हें कुछ मनुष्यों की ओर अधिक आकर्षित करती है। इस सवाल के जवाब का महत्व यह है कि मच्छर डेंगू, मलेरिया और पीत ज्वर जैसी बीमारियां फैलाते हैं जो प्रति वर्ष 7 लाख लोगों की जान लेती हैं।

हाल ही में जॉन्स हॉपकिन्स युनिवर्सिटी के जीव विज्ञानी कोनोर मैकमेनीमैन ने खेल के एक खुले मैदान में विशाल टेंट लगाकर इसका जवाब तलाशने के प्रयास किए।

मच्छरों को किसी व्यक्ति की उपस्थिति का पता उसके शरीर की गंध, श्वसन से निकलने वाली कार्बन डाईऑक्साइड और शरीर के तापमान से लगता है। मच्छर अपने एंटीना पर उपस्थित गंध तंत्रिकाओं के माध्यम से लगभग 60 मीटर की दूरी से गंध का पता लगाते हैं और शरीर की गर्मी की मदद से अपने लक्ष्य पर सटीकता से पहुंच जाते हैं।

मच्छरों की शिकारी रणनीतियों को जांचने के लिए शोधकर्ताओं ने कुछ प्रतिभागियों को खेल मैदान की परिधि पर लगे 8 तंबुओं में सोने के लिए कहा। वैज्ञानिकों ने प्रत्येक तंबू से शरीर की गंध और कार्बन डाईऑक्साइड युक्त हवा को नलियों के माध्यम से मैदान के भीतर निर्धारित लैंडिंग प्लेटफॉर्मों तक पहुंचाया। इन जगहों को मनुष्यों के शरीर के सामान्य तापमान (35 डिग्री सेल्सियस) पर रखा गया था।

इसके बाद शोधकर्ताओं ने इंफ्रारेड सेंसर की मदद से देखा कि भूखे मच्छर कहां जाते हैं। करंट बायोलॉजी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार एक विशाल क्षेत्र में विभिन्न गंध और ध्वनियां तथा मौसमी परिस्थितियां होने के बावजूद मच्छर कुछ मनुष्यों की गंध वाले प्लेटफॉर्म की ओर अधिक आकर्षित हुए।

विभिन्न मनुष्यों के शरीर से निकलने वाली विशिष्ट गंध का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों की त्वचा की रासायनिक बनावट का अध्ययन किया। जैसा कि पूर्व अध्ययनों में पाया गया था मच्छर ऐसे लोगों को अधिक पसंद करते हैं जिनकी त्वचा के स्राव में विभिन्न कार्बोक्सिलिक अम्लों का मिश्रण होता है। यह एक प्रकार का तैलीय स्राव होता है जो हमारी त्वचा में नमी बनाए रखता है और उसकी रक्षा करता है। इनमें से दो कार्बोक्सिलिक अम्ल लिम्बर्गर चीज़ में भी पाए जाते हैं जो मच्छरों को आकर्षित करने के लिए मशहूर है। दूसरी ओर, मच्छर सेज और नीलगिरी जैसे पेड़-पौधों में पाए जाने वाले रसायन युकेलिप्टॉल के नज़दीक कम जाते हैं।

टीम ने मच्छर-आकर्षक के रूप में कार्बन डाईऑक्साइड और शरीर की गंध की तुलना की और पाया कि मच्छर गंध को अधिक प्राथमिकता देते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस विषय में और अधिक काम करने की दरकार है। इसमें आर्द्रता जैसे पहलुओं को भी जोड़ना चाहिए ताकि सटीक निष्कर्ष मिल सकें।

आशा है कि मच्छरों की पसंद-नापसंद गंध का पता लगने से नई तरह की मच्छरदानी तथा मच्छर विकर्षक विकसित करने में मदद मिलेगी। **(एजेंसी)**

एलीफैंट सील गोता लगाने के दौरान झपकी लेते हैं

सभी स्तनधारी प्राणियों के लिए पर्याप्त नींद स्वास्थ्य और विकास के लिए आवश्यक है। कई जीव तो दिन में 20 घंटे तक सोते हैं। अलबत्ता, अफ्रीकी हाथी के लिए केवल दो घंटे की नींद पर्याप्त है। लेकिन अब इस थलीय प्राणि को एक समुद्री स्तनधारी ने टक्कर दी है।

साइंस पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी एलीफैंट सील के लिए भी दो घंटे की नींद पर्याप्त है। भूमि की तुलना में ये समुद्र में बहुत कम समय के लिए सोते हैं और इस दौरान वे सैकड़ों फीट की गहराई तक पहुंच जाते हैं।

अमेरिका के पश्चिमी तट पर पाए जाने वाले एलीफैंट सील गोता लगाने में माहिर होते हैं और 2500 फीट गहरा गोता लगाकर लगभग दो घंटे तक वहां रह भी सकते हैं। इनका वज़न एक कार जितना होता है और लंबाई लगभग 13 फीट होती है। अपने भारी-भरकम शरीर को बनाए रखने के लिए ये हर साल लगभग 7 महीने समुद्र में शिकार करते हैं। इनका मुख्य आहार मछली और स्क्विड हैं।

इन गहरे समुद्रों में आम तौर पर व्हाइट शार्क और किलर व्हेल शिकारी की भूमिका में होते हैं। इनसे बचने के लिए डॉल्फिन और फर सील जैसे कई स्तनधारी समुद्री जीव एक समय में अपने आधे मस्तिष्क को आराम देते हैं और उनका आधा मस्तिष्क सक्रिय रहता है।

इस तरह की निद्रा को एकल-गोलार्ध निद्रा कहा जाता है जिसमें जंतु की एक आंख खुली रहती है। इसके उलट, एलीफैंट सील बिलकुल मनुष्य के समान सोते हैं और उनका मस्तिष्क पूरी तरह आराम कर रहा होता है।

सैन डिएगो स्थित स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट ऑफ ओशियनोग्राफी की जेसिका कैंडल-बार ने उत्तरी एलीफैंट सील की निद्रा, शिकार और शिकार होने से बचाव के पैटर्न को समझने का प्रयास किया। कैंडल-बार और उनके सहयोगियों ने एक ऐसा उपकरण तैयार किया जो सील की मस्तिष्क तरंगों, हृदय गति, गोते की गहराई और गतियों की निगरानी कर सके। उपकरण एक टोपी की तरह सील के सिर के ऊपर आसानी से फिट हो जाता है। इन उपकरणों को कई एलीफैंट सील के सिर पर लगाकर पांच दिनों तक उनकी दिनचर्या का अध्ययन किया गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि गोता लगाने के बाद वे तैरना बंद कर देते हैं और ग्लाइड करने लगते है। जैसे-जैसे वे गहराई में जाते हैं उनके मस्तिष्क की गतिविधि मंद पड़ने लगती है।

जल्द ही वे गहरी नींद में सो जाते हैं और उलटे होकर एक गिरती हुई पत्ती के समान लहराते हुए समुद्र के पेंदे की ओर जाने लगते हैं। लगभग 10 मिनट लंबी नींद के बाद वे अचानक जाग जाते हैं और सतह पर वापस आ जाते हैं। इस दौरान कुछ सील 1000 फीट से भी अधिक गहराई तक चले जाते हैं और कभी-कभी तो वे समुद्र के पेंदे तक पहुंच जाते हैं।

एलीफैंट सील दिन में कई बार इस तरह के गोते लगाते हैं जिससे उन्हें लगभग दो घंटे की नींद मिलती है। सील जब भूमि पर प्रजनन करने के लिए आते हैं तो दिन में 10 घंटे से अधिक सोते हैं। इस दौरान वे कुछ खाते नहीं हैं जिससे अतिरिक्त नींद की आवश्यकता समझ आती है।

इस अध्ययन के आधार पर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि एलीफैंट सील अधिकतम भोजन करने के लिए समुद्र में सोने का समय तो सीमित करते ही हैं साथ ही खुद के शिकार होने के समय को भी कम करते हैं। जीव जगत में एलीफैंट सील की नींद की अवधि में एक अनोखा लचीलापन दिखता है।

लगभग 200 से अधिक दिनों के लिए दिन में दो घंटे की नींद से लेकर बाकी दिनों में 10.8 घंटे प्रतिदिन की नींद का पैटर्न किसी अन्य स्तनधारी में नहीं देखा गया है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक समुद्री स्तनधारी जीवों के नींद के पैटर्न के बारे में अधिक जानकारी उनके प्राकृतवास प्रबंधन को सुधारने में मदद करेगी। **(एजेंसी)**

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के कुछ घरेलू उपाय जानें

कहते हैं चांद में भी दाग होता है.. महिलाओं के लिए भी चेहरे पर ब्लैकहेड्स, दाग-धब्बे और मुहांसे होना दाग के बराबर ही है। रोमछिद्रों में गंदगी, धूल या तेल इकट्ठा होने की वजह से ब्लैकहेड्स होते हैं। जहा दाग-धब्बे और मुहांसे कुछ दिनों के बाद गायब हो जाते हैं, वहीं ब्लैकहेड्स ऐसी मुसीबत है जो हर 15-20 दिन बाद दोबारा वापस आ जाती है। अगर समय पर ब्लैकहेड्स नहीं हटाए गए तो ये मुंहासों का रूप ले लेते हैं। ब्लैकहेड्स दो प्रकार के होते हैं- व्हाइट और ब्लैक।

महिलाएं कभी पार्लर में जाकर ब्लैकहेड्स निकलवाती हैं, तो कभी घर में ही खुद से स्क्रब कर ब्लैकहेड्स हटाती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि किचन में रखी चीजों से भी ब्लैकहेड्स हटाए जा सकते हैं। हर बार 15 दिन में पार्लर के चक्कर काटने से बेहतर हैं आप घरेलू नुस्खे आजमाएं। बता दें, ब्लैकहेड्स हटाने के लिए बार-बार स्क्रब करने से स्किन ड्राई हो जाती है। इसलिए बेहतर है आप घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर ब्लैकहेड्स को बाय-बाय कहें।

दालचीनी पाउडर- दालचीनी पाउडर ना सिर्फ ब्लैकहेड्स का सफाया करता है बल्कि इन्हें चेहरे पर दोबारा आने से भी रोकता है। एक चम्मच दालचीनी पाउडर में एक चम्मच नींबू का रस और एक चुटकी हल्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं और फिर पानी से चेहरा धो लें।

अंडे की सफेदी- एक कच्चा अंडा लें और उसका सफेद भाग अलग निकाल लें। अंडे की सफेदी को चेहरे पर लगाएं और 20-25 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें। अंडे की सफेदी ब्लैकहेड्स हटाने के साथ चेहरे की रंगत भी निखारेगी।

बेकिंग सोडा- एक चम्मच बेकिंग सोडा को 2 चम्मच पानी में मिक्स कर लें। पेस्ट को 15-20 मिनट तक ब्लैकहेड्?स पर लगाएं। फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

टूथपेस्ट- थोड़ा-सा टूथपेस्ट ब्लैकहेड्स पर लगाकर 20-25 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए चेहरा पीनी से धो लें।

टमाटर- टमाटर ब्लैकहेड्स की समस्या से छुटकारा दिलाता है। एक टमाटर लें और उसे मैश कर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को रात को सोने से पहले ब्लैकहेड्स पर लगाएं और सुबह उठकर चेहरे को पानी से धो लें।

ग्रीन टी- ग्रीन टी स्किन पर लगाने से गंदगी साफ होती है। ग्रीन टी की पत्तियों को थोड़े से पानी में मिलाकर पेस्ट बना लें। पेस्ट को 15-20 मिनट के लिए चेहरे पर लगा लें। फिर हल्के गुनगुने पानी से मुंह धो लें। शहद- एक चम्मच शहद से 5-10 मिनट तक हल्के हाथों से चेहरे की मालिश करें। थोड़ी देर बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। नींबू- सबसे पहले चेहरे को गर्म पानी से धोएं, फिर ब?लैकहेड्स से प्रभावित जगह पर नींबू का रस लगाएं। थोड़ी देर बाद चेहरे को पानी से साफ कर लें।

नींबू और शहद- नींबू और शहद को बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बना लें। तैयार पेस्ट को नाक के आस-पास हल्के हाथों से रगड़ें और 10 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

सेहत संवारने का अवसर भी है छुट्टियां

- डॉ. मोनिका शर्मा

अपनों के साथ समय बिताने, दुनिया देखने और गांव घर जाने का अवकाश कही जाने वाली छुट्टियां सेहत भी संवारती हैं। मन को ठहराव और तन को विश्राम देने वाले फुरसत के पल कितनी ही स्वास्थ्य समस्याओं के लिए औषधि के समान हैं। भागदौड़ भरी ज़िंदगी में सालभर तो समय निकालना मुश्किल होता है पर बच्चों के समर वैशन में हर व्यस्तता को भूल छुट्टियां मनाने का मन बनाना जरूरी है। तन-मन की सेहत दुरुस्त करने वाली छुट्टियां हर मोर्चे पर स्फूर्ति और उत्साह देकर जाती हैं। सामाजिक-पारिवारिक सम्बन्धों के जुड़ाव से लेकर व्यक्तिगत रूप से खुद को समझने और खुलकर जीने का यह समय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए भी आवश्यक है।

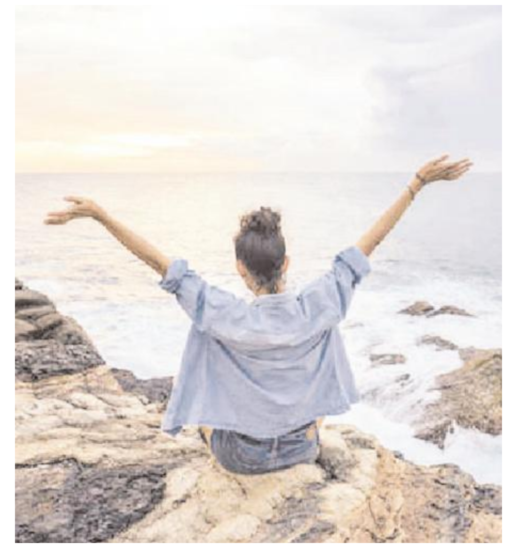

तनाव में कमी

रोज़मर्रा की आपाधापी से परे खुशनुमा समय बिताने से तनाव में कमी आती है। भागती-दौड़ती जिंदगी में छुट्टियां एक सहज-सा ठहराव है। स्वयं अपने चुने फुर्सत के पल। भागमभाग से दूर मन का करने की दिनचर्या वाले दिन। बंधे-बंधाए रुटीन से अलग यह समय सुकून की सौगात साथ लाता है। अवकाश के दिनों में दिमाग शांत रहता है और मन स्थिर। ऐसी सभी बातें इंसान की मनःस्थिति पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। मन को खुशी देने वाले हार्मोन को बढ़ाती हैं। अध्ययन बताते हैं कि छुट्टियों में अच्छी नींद ले पाने के कारण भी तनाव कम होता है। कडलीनेस्ट डॉट कॉम के अनुसार छुट्टियां नींद की गुणवत्ता को करीब 17 फीसदी तक बढ़ा सकती हैं। जिससे तनाव ही नहीं अवसाद की स्थिति से भी बाहर आने में मदद मिलती है। स्वीडन के विशेषज्ञों ने एक अध्ययन में पाया है कि काम से छुट्टी न लेने वाले लोगों ने उन लोगों की तुलना में ज्यादा एंटीडिप्रेसेंट दवाओं का सेवन किया, जो कामकाजी व्यस्तता को छोड़ छुट्टी बिताने गए।

दिल की सेहत में सुधार

छुट्टियों में आप गांव-घर जाएं या देश-विदेश में दर्शनीय स्थलों की सैर करने, अवकाश के समय की हर एक्टिविटी, हर योजना मन को रोमांच से भर देती है। कुछ समय के लिए हर आपाधापी से दूर रहना एक अलग ही अनुभव होता है। परिवारजनों के साथ छुट्टियां बिताते हुए मिला अपनों का स्नेह-साथ हो या किसी नई जगह को देखने-जानने का अनुभव- सब कुछ मन को खुशी देने वाला होता है। नई स्मृतियां संजोने का सुख हमारे हिस्से आता है। तन-मन में स्फूर्ति और सक्रियता आती है। यूके में हुई फैमिली हॉलीडे एसोसिएशन की एक रिसर्च में शामिल 49 फीसदी लोगों के मुताबिक, उनकी सबसे सुखद स्मृति अपने परिवार के साथ बिताई छुट्टियों की थी। सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से एक चौथाई ने यह भी माना कि तकलीफदेह समय से बचने के लिए उन्होंने इन सुखद स्मृतियों को याद किया। समझना मुश्किल नहीं कि थका-सा मन व जीवन सबसे ज्यादा दिल की सेहत खराब करता है। हर पल की चिंता और काम का दबाव हृदय रोग की संभावना कई गुना बढ़ा देते हैं। पीड़ादायी परिस्थितियों की भावनात्मक टूटन भी दिल के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है। ऐसे में अपनेपन का अहसास, खुशमिजाज परिवेश और नयेपन का रोमांच दिल को दुरुस्त रखने का काम करता है ।

मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी

बच्चे हों या बड़े, छुट्टियां सभी को रचनात्मक बनाती हैं। एक तयशुदा टाइम टेबल से अलग कुछ सोचने, समझने और जीने का अवसर देती हैं। एक ओर किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन की संस्कृति, वहां के लोगों की जीवनशैली, खानपान और भाषा को जानना मन-मस्तिष्क को रचनात्मक बनाता है तो दूसरी ओर गांव-घर की छुट्टियां अपनी ही भूली-बिसरी जीवनशैली को याद दिलाती हैं। घर में बड़ों की जीवनशैली के रंग-ढंग और कम से कम संसाधनों में जीने के लिए अपनाये जाने वाले कलात्मक और कल्पनाशील तौर-तरीके सोच को सकारात्मक दिशा देते हैं। कई अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि रचनात्मकता हर रूप में सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाती है। जिसके चलते क्रिएटिविटी का मानसिक स्वास्थ्य से सीधा संबंध है। क्रिएटिविटी इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है। छुट्टियों में कुछ नया सीखना और रचनात्मक एक्टिविटीज़ से जुड़ना भी मन का मौसम बदलता है। एक अमेरिकी अध्ययन के मुताबिक़ छुट्टियों के बाद सर्वेक्षण में शामिल लोग कम चिंता और बेहतर मूड में दिखे। ऐसे में छुट्टियां अपनेपन को पोसने के लिए ही नहीं, स्वास्थ्य सहेजने के लिए भी आवश्यक हैं।

घर से निकलने से पहले रोज करना चाहिए ये काम

ऐसा माना जाता है कि यदि दिन की शुरुआत अच्छी हो तो पूरे दिन सब अच्छा ही अच्छा होता है। इसी बात को ध्यान रखते हुए प्राचीन काल से ही दिन की शुरुआत अच्छी करने के लिए कई परंपराएं बनाई गई हैं। घर से निकलने से पहले ये छोटे-छोटे काम करने पर दिनभर के कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। साथ ही मन प्रसन्न रहता है और हम ऊर्जावान बने रहते हैं।यहां पांच ऐसे काम बताए जा रहे हैं जिन्हें प्रतिदिन करने पर आपको निश्चित ही सफलता प्राप्त होगी और बुरा समय दूर हो जाएगा। दही खाकर निकलें- कहीं जाते समय दही खाकर निकलना चाहिए। यह परंपरा काफी पुराने समय से चली आ रही है। दही को पवित्र माना जाता है। इसकी पवित्रता और स्वाद से मन प्रसन्न होता है। इसी वजह से इसे पूजन सामग्री में भी खास स्थान प्राप्त है। घर से निकलने से पहले दही खाने से नकारात्मक विचार नष्ट हो जाते हैं और कार्य के प्रति सकारात्मक सोच बनती है।घर के मंदिर में विराजित भगवान का दर्शन करें- घर के मंदिर में विराजित देवी-देवताओं के दर्शन प्रतिदिन करना चाहिए। घर से निकलने से पहले एक बार इनके दर्शन करके सफलता की प्रार्थना करनी चाहिए। घर के देवी-देवता की कृपा से निस्संदेह व्यक्ति का दिन शुभ हो जाता है। भगवान की कृपा बनी रहती है और अशुभ समय दूर होता है।तुलसी के पत्तों का सेवन करें- सामान्यतः तुलसी का पौधा सभी के घरों में होता है। शास्त्रों के अनुसार तुलसी को पवित्र और पूजनीय माना जाता है। जिस घर में तुलसी का पूजन प्रतिदिन होता है वहां महालक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। पैसों से संबंधी परेशानियां उस घर में नहीं रहती हैं। तुलसी एक औषधीय पौधा भी है। प्रतिदिन तुलसी के पत्ते बिना दांत लगाएं खाने से कई रोगों से बचाव हो जाता है। साथ ही तुलसी से प्राप्त होने वाले पुण्य लाभ भी प्राप्त होते हैं।पहले सीधा पैर घर से बाहर रखें- किसी भी कार्य का प्रारंभ सीधे हाथ और सीधे पैर को आगे बढ़ाकर किया जाए तो सफलता निश्चित ही प्राप्त होती है। शास्त्रों के अनुसार सभी धार्मिक पूजन कर्म सीधे हाथ से ही किए जाने पर अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। ठीक इसी प्रकार घर से निकलने से पहले सीधा पैर रखते हैं तो कार्य में सफलता मिलने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। यह उपाय सकारात्मक मानसिकता को प्रबल करता है।माता-पिता एवं बुजुर्गों का आशीर्वाद लें- प्रतिदिन घर से निकलने से पहले माता-पिता का आशीर्वाद लेना चाहिए। जिन लोगों से उनके माता-पिता प्रसन्न रहते हैं उनसे सभी देवी-देवता भी प्रसन्न रहते हैं। इसके विपरित जो लोग माता-पिता का सम्मान नहीं करते और उन्हें दुख देते हैं वे कई परेशानियों में सदैव उलझे रहते हैं। अतः घर से निकलने से पूर्व माता-पिता और बुजुर्गों के पैर छूएं और आशीर्वाद लें।

राशि के अनुसार कौन सा रंग रहेगा शुभ

राशियां भविष्य के बारे में पूर्वानुमान बताती हैं। इनकी संख्या 12 होती है। लेकिन हर राशि के जातक को किसी विशेष रंग का तालमेल अपनी जिंदगी में जरूर रखना चाहिए। ऐसा करने पर भविष्य में सफलताएं आपके साथ होंगी। परेशानियां दूर रहेंगी।

मेषः इस राशि के जातक मंगल ग्रह के प्रभाव में रहते हैं। इसलिए इनके लिए लाल रंग बेहद शुभ होता है। यदि यह जातक गुलाबी रंग भी उपयोग करते हैं तो यह उन्हें शांत रखेगा।

वृषभः इस राशि के जातक शुक्र ग्रह से संबंधित होते हैं। इसलिए इन्हें नीला, फिरोजी, हरे और क्रीम कलर के वस्तुएं और वस्त्रों का उपयोग करना चाहिए। यह इनके लिए हमेशा शुभ होते हैं।

मिथुनः बुध ग्रह के प्रभाव में रहने वाले इस राशि के जातक के लिए सफेद, क्रीम, हल्का रंग शुभ होता है।

कर्कः चंद्रमा के प्रभाव में रहने वाले कर्क राशि के जातकों के लिये पीला, सफेद, क्रीम और हल्का गुलाबी रंग शुभ होता है।

तुलाः नारंगी और पीला रंग तुला राशि के जातकों को विशेष शुभ होते हैं। इनके अलावा हल्के गुलाबी रंग का उपयोग इन्हें शांत रखता है।

कन्याः ऐसे जातक जिनकी राशि कन्या है यदि वह बुधवार को हरे रंग के वस्त्र पहनें तो शुभ होता है। इसके अलावा इस राशि के जातकों के लिए शुभ रंग स्वर्ग पीला, हरा और गुलाबी शुभ होता है।

तुलाः इस राशि के जातक रोमांटिक और स्टाइलिश पर्सनेलिटी के होते हैं। इसलिए अमूमन काले, नीले और हरे रंग इनके लिए विशेष शुभ होते हैं।

वृश्चिकः इस राशि के जातक यदि लाल, भूरा, काल और ग्रे कलर उपयोग में लाएं तो उन्हें मनोवांछित फल की प्राप्ति हो सकती है।

धनुः बैंगनी और सफेद रंग इस राशि के जातकों के लिए बेहतर माने जाते हैं। यह रंग इस राशि के जातकों को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं।

मकरः काला और नीला रंग इस राशि के जातकों के लिए शुभ होता है। इसके अलावा भूरे रंग का भी उपयोग कर सकते हैं।

कुंभः यह राशि शुक्र ग्रह के अंतर्गत आती है। इस राशि के जातक यदि बैंगनी और लाल रंग का उपयोग करें तो उन्हें विशेष सफलता मिलती है।मीनःबृहस्पति इस घर का शासक है। इस साल पीले रंग से बचने और हल्के नीले, नीले आकाश और फ़िरोज़ा पहनने की सलाह दी जाती है।

जामुन में है चमत्कारी गुण रखे बीमारी से दूर

गर्मी के आते ही बाजारे में जामनी के रंग के जामुन नजर आने लगते है। लेकिन क्या आपको पता है यह जामनी रंग, स्वाद में खट्ट-मीठा जामुन कितना गुण कारी है जामुन स्वाद में तो कसैला लेकिन इसमें रोगों से लडने की गणु भर पूर होते हैं। जामुन वातकारक, पित्तशामक और उल्टी को रोक के काम आता है। डायबिटीज के लिए इसकी गुठली का उपयोग व और भी अन्य रोगों से बचाने के लिए किया जाता है। जामुन का सिरका भी बना सकती है यह पाचक होता है।जामुन और आम की गुठलियों का 2-2 ग्राम पाउडर छाछ के साथ दिनमें तीन बार लेने से पेटदर्द दूर होता है।पथरी के रोगी को जामुन की गुठली का पाउडर दही के साथ सुबह-शाम कम से कम दिन में 3 ग्राम की मात्रा में लें। इससे पथरी गलकर धीरे-धीरे निकल जाती है। इसके साथ ही पका जामुन खाने से भी पथरी के मरीज को आराम भी मिलताजामुन खाने या उसका रस पीने से उल्टी का वेग रूकता है इससे दिन की तेज धडकन भी नियंत्रित होती है।जामुन का रस में शक्कर मिलाकर पीने से पेचिश के रोगी को तुरंत फायदा होता है।आवाज बैठ जाना, आवाज का मोठी या भारीपन हो जाना तो इसके लिए आप शहद में जामुन की गुठली का पाउडर लेना चाहिए। इससे आवाज का भारीपन दूर होकर साथ आवाज भी साफ हो जाएगी।ठंडे पानी में जामुन को कम से कम 2 घंटे तक भिगोकर रखें।

कैसे बचें वैक्सिंग की सूजन से

आज के समय में बड़ी संख्या में महिलाएं त्वचा से बालों को हटाने के लिए वैक्सिंग का इस्तेमाल करती हैं। एक तरफ जहां वैक्सिंग अनावश्यक बालों को हटाने का सबसे आसान तरीका है, वहीं दूसरी ओर इससे एक छोटी सी समस्या भी पैदा हो जाती है। वैक्स बंप या पिंपल से ज्यादातर महिलाओं को दो चार होना पड़ता है। ज्यादातर मौकों पर इन वैक्सिंग बंप से दर्द नहीं होता है, पर कई बार यह काफी तकलीफदेह हो जाता है। वैक्सिंग बंप के होने के कई कारण हैं। कई बार वैक्सिंग में इस्तेमाल रसायन का त्वचा पर नाकारात्मक असर पड़ता है। साथ ही वैक्सिंग बंप के तापमान सहित और भी कई कारण होते हैं। अगर वैक्सिंग बंप के उपचार से आपको फायदा नहीं हो रहा है, तो आइए हम आपको इससे छुटकारा पाने के कुछ टिप्स बताते हैं। वैक्सिंग क्यूं, कब और क्यूं करें? कैसे बचें वैक?सिंग की सूजन से 1. सॉफ्ट वॉश अगर आप चाहते हैं कि आपको वैक्सिंग बंप की समस्या से न जूझना पड़े तो आप वैक्सिंग के बाद कड़ा स्क्रब बिल्कुल न करें। वैक्सिंग किए हुए स्थान को आप सिर्फ हल्के हाथों से धोएं। यह वैक्सिंग बंप का एक ऐसा उपचार है, जिसे आप आसानी से अपना सकते हैं। 2. सूती कपड़े का प्रयोग वैक्सिंग बंप के उपचार में आप सूती के कपड़े की भी मदद ले सकते हैं। वैक्सिंग किए हुए स्थान को सूती कपड़े से ढंक दें। त्वचा पर धूल को जमा न होने दें। वैक्सिंग बंप का यह उपचार भी बेहद कारगर है।

गुलमर्ग में पयर्टकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए है बहुत कुछ

कश्मीर से 56 किलोमीटर दूर खूबसूरत हिल स्टेशन है गुलमर्ग। यह हर किसी का पसंदीदा पर्यटन स्थल है। गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर राज्य की खूबसूरती में जादू बिखेरने वाला स्थल है। गुल मतलब %फूल% है। गुलमर्ग को फूलों का मैदान कहते हैं। यहां आप रंग-बिरंगे विविध फूल जैसे ब्लूबेल्स, डेजी, फारगेट-मी-नॉट और बटरकप देख सकते हैं। समुद्रतल से 2730 मीटर ऊपर गुलमर्ग खूबसूरती की मिसाल है। यहां की चोटियां बर्फ से ढंकी होने के कारण खूबसूरती का अद्भुत दृश्य पेश करती हैं।

गुलमर्ग को गौरीमर्ग भी कहते हैं। कहा जाता है कि गुलमर्ग में मां गौरी ने भगवान शिव के लिए खड़े रह कर तपस्या की थी। गुलमर्ग में हिमालय की बेहद खूबसूरत चोटियां हैं, जो बर्फ से ढंकने के बाद कुछ अलग ही नजारा प्रस्तुत करती हैं। सर्दियों के दिनों में जब गुलमर्ग में चारों तरफ बर्फ ही बर्फ होती है, तो यह जगह पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन जाती है। दूर-दूर से पर्यटक गुलमर्ग में हो रही बर्फबारी का आनंद लेने आते हैं। 1927 में ब्रिटिश शासकों ने गुलमर्ग को अपना हिल रिसार्ट बनाया था। गुलमर्ग चारों तरफ से घने जंगलों और बड़े-बड़े शंकु वृक्ष (कानीफर) से घिरा है। गुलमर्ग का फूलों का मैदान दुनिया भर में प्रसिद्ध है जिसे मुगल और ब्रिटिश शासकों की पसंदीदा जगह माना जाता था। गुलमर्ग का खूबसूरत सूर्योदय और सूर्यास्त दर्शनीय है। दोनों ही बेला में पर्यटक इसके विस्मयकारी दृश्य को दिलों में संजो लेते हैं। यहां का वातावरण हर किसी को आकर्षित कर लेता है।

ठंड के दौरान यहां बर्फबारी के कारण स्कीइंग प्रेमियों के लिए सबसे बेहतरीन ढलान बनती है। गुलमर्ग में आप खेल-कूद का मजा ले सकते हैं जैसे ट्रैकिंग, मांउटेंन क्लाइबिंग, गोल्फ, गोंडला राइड। गुलमर्ग का ग्रीन गोल्फ कोर्स और गोंडला लिफ्ड राइड पर्यटकों के खास आर्कषण का केंद्र होता है। स्कीइंग प्रेमियों के लिए गुलमर्ग सबसे बेहतर जगह है। दिसम्बर से लेकर अप्रैल तक यहां बर्फ जमी होती है। इसीलिए स्कीइंग के लिए यहां बेहतरीन विकल्प दिए जाते हैं। आधुनिक सुविधाएं जैसे स्कीलिफ्ट, चेयर केबल कार और रोपवे गुलमर्ग में मौजूद है। बर्फ पर हॉकी (आइस हॉकी) और बर्फ पर स्केटिंग (आइस स्केटिंग) भी अब गुलमर्ग में होने लगी है। हाल ही में शुरू हुई गोंडला राइड आपको गुलमर्ग की पहाड़ों की चोटियों के ऊपर तक ले जाती है और वहां से आप गुलमर्ग का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। गुलमर्ग से आप पोनी की सवारी कर किलामर्ग, कांगडोरी और सेवन स्प्रींग जा सकते हैं। गुलमर्ग से थोड़ा नीचे पवित्र स्थल बाबा रेशी का मकबरा है, जो एक संत थे। किलनमर्ग गुलमर्ग का सबसे महत्वपूर्ण स्कीइंग केंद्र है। गुलमर्ग का सबसे पसंदीदा खेल है स्कीइंग, ट्रेकिंग और हेलिसकिंग। हेलिसकिंग ऐसा खेल है जिसमें हेलिकॉप्टर से व्यक्ति को पसंदीदा जगह पर आगे जाने के लिए उतार दिया जाता है। गुलमर्ग की सबसे खूबसूरत जगह है बायोस्फेयर रिजर्व और एलपैथर झील। अपर्वत पहाड़ पर बनी यह झील बेहद खूबसूरत दृश्य प्रस्तुत करती है। जून के महीने में भी यहां बर्फ जमी रहती है।

करेले खाने के लाभ ही लाभ

करेला औषधि के रूप में इस्तेमाल करने के लिए कच्चा करेला ही ज्यादा मुफीद होता है। करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है। इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होती हैं और करेला पक जाए तो बीज लाल हो जाते हैं। जब तक पकता नहीं तक तग बीज सफेद रहते हैं।

करेले का न्युट्रिशनल वैल्यूः करेले में प्रचुर मात्रा में विटामिन ए, बी और सी पाए जाते हैं। इसके अलावा कैरोटीन, लुटीन, जिंक, पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैगजीज जैसे फ्लावोन्वाइड भी पाए जाते हैं।करेला ठंडा होता है, इसलिए यह गर्मी से पैदा हुई बीमारियों के इलाज के लिए बहुत लाभकारी है।डार्क करेला में ढेरों एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन पाए जाते हैं। करेले का सेवन हम कई रूपों में कर सकते हैं। हम चाहें तो इसका जूस पी सकते हैं, सब्जी या अचार बना सकते हैं।अगर आपकी पाचन शक्ति कमजोर हो तो किसी भी प्रकार करेले का नित्य सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होती है।इसमें मौजूद बिट्र्स और हल्केलाइड तत्व रक्त शोधक का काम करते हैं।

छठव्रतियों ने शाम के समय अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

भाजपा प्रत्याशी इंद्रकुमार साहू अपने समर्थकों के साथ

नवापारा राजिम (दैनंदिनी)। लोक आस्था के महापर्व छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान के तीसरे दिन रविवार को छठव्रतियों ने शाम के समय अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया. छठ के इस पावन अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू,भाजपा विधायक प्रत्याशी इंद्रकुमार साहू सहित अनेको नेताओं ने महानदी घाट पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया. स्थानीय नवापारा नवापारा में निवासरत उत्तर भारतीय परिवार द्वारा रविवार कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी को संध्या अर्ध्य देकर छठी मईया की पूजा अर्चना की गई. वही आज सोमवार को उगते सूरज को अर्ध्य देकर इस महापर्व का समापन करेंगे.

स्थानीय छठ सेवा समिति के द्वारा आयोजन को लेकर काफ़ी तैयारी महानदी तट पर की गई. संध्या अर्ध्य के दौरान महिलाओ ने छठी मईया के गीत भी गाये. छठ महापर्व में उत्तर भारतीय परिवार के दौरान छठी मईया को रिझाने ठेकुआ का विशेष प्रसाद अर्पण किया जाता है.

छठ सेवा समिति से जुड़े प. कामेश्वर तिवारी ने बतायाकि संध्या अर्ध्य के दौरान पूरा परिवार एक साथ नदी के किनारे उपस्थित होकर अस्तचल सूर्य को अर्ध्य देते है .

अर्घ्य के समय गंगाजल का जल सूर्य देव को अर्पित किया जाता है और छठवीं मैया की पूजा प्रसाद के साथ की जाती है. सूर्य देव की पूजा के बाद रात्रि में छठ गीत गाए जाते हैं और व्रत कथा का पाठ किया जायेगा.

घर लौटने के बाद भक्त परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर कोसी भराई का अनुष्ठान करेंगे. वे 5 से 7 गन्ना लेते हैं और उन्हें एक साथ बांधकर एक मंडप बनाते हैं और उस मंडप की छाया के नीचे 12 से 24 दीये जलाए जाते हैं और ठेकुआ और अन्य मौसमी फल चढ़ाए जाते है.यही अनुष्ठान अगली सुबह 3 बजे से 4 बजे के बीच दोहराया जाता है, और उसके बाद भक्त उगते सूरज को अर्घ्य या अन्य प्रसाद चढ़ाते हैं.

छठ पूजा के अंतिम दिन सूर्योदय से पहले, भक्तों को उगते सूरज को अर्घ्य देने के लिए नदी के किनारे जाना पड़ता है.इसके बाद छठी मैया से बच्चे की सुरक्षा और पूरे परिवार की सुख शांति की कामना की जाती है.पूजा के बाद, भक्त उपवास तोड़ने के लिए पानी पीते हैं और थोड़ा प्रसाद खाते हैं। इसे परान या पारण कहते हैं.

श्री गोपाल गौशाला में आज मनाया जावेगा गोपाष्टमी पर्व

नवापारा राजिम (दैनंदिनी)। नगर की 100 वर्षीय प्राचीन गौशाला में आज 20 नवम्बर को गोपाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया जावेगा। इस समिति के अध्यक्ष गिरधारी अग्रवाल, सचिव राजू काबरा ने बताया कि यह पर्व हमें भगवान कृष्ण के द्वारा गौ माता के प्रेम को दर्शाता है। भगवान ने हम भारत वासियों को गौ माता की सेवा का उपदेश एवम ज्ञान दिया।

शास्त्र भी कहते है कि गो माता के अंदर 33 करोड़ देवी देवता का निवास होता है।

गौ माता के दूध ,दही ,घी,के साथ ही आज गोबर,गौमूत्र,से कई प्रकार के असाध्य रोगों का इलाज होता है।जिसे

आज के चिकित्सा विज्ञान ने भी स्वीकार किया है। अभी इस गौशाला में टोटल 400 गाये, इसमें वे बछड़े एवम पशुधन भी शामिल है, जो कत्लखाने ले जाये जा रहे थे. साथ ही इस गौशाला में हनुमानजी का बहुत प्राचीन मंदिर है. गौशाला मे नगरवासियो की मदद से रोटी,गुड़,हरा चारा एकत्र किया जाता है. गोपाष्टमी विशेष मे सर्व प्रथम सुबह 8 बजे सत्यनारायण भगवान की कथा हवन होगा जिसमें इस समिति के उपाध्यक्ष सपत्नीक बैठेंगे एवम देवेंद्र मिश्रा पूजा करायेंगे ।

10 बजे देवी देवता के पूजन पश्चात सोहाई बांधी जावेगी एवम खिचड़ी खिलाकर प्रसाद वितरण दोपहर 12 बजे से प्रारम्भ होगा। समिति के संरक्षक मनमोहन अग्रवाल, अध्यक्ष गिरधारी अग्रवाल,उपाध्यक्ष चंदू कंसारी,सचिव राजू काबरा, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर राठी,सहसचिव ,रूपेंद्र चन्द्राकर के साथ ही नगर के सभी समाज के सदस्य है। समिति ने सभी गौ भक्तों से अनुरोध किया है कि गोपाष्टमी पर जरूर गौशाला पहुंचकर गौ माता का आशीर्वाद एवम प्रसाद प्राप्त करें.

प्रेक्षक पवन ने राजनीतिक दलों के समक्ष सील कराया स्ट्रांग रूम

सारंगढ़ बिलाईगढ़। बिलाईगढ़ विधानसभा 43 के सामान्य प्रेक्षक पवन कुमार ने रिटर्निंग अधिकारी डॉ स्निग्धा तिवारी और राजनीतिक दलों की उपस्थिति में मतदान दलों के निर्वाचन सामग्री संग्रहण और बलौदाबाजार भाटापारा जिले के कसडोल क्षेत्र में बिलाईगढ़ विधानसभा के 129 मतदान केंद्रों में हुए मतदान के बाद ईवीएम मशीनों आदि को कलेक्टर बलौदाबाजार से प्राप्त करने पर सील किया गया। अब इसका सुरक्षा सीआईएसएफ के जवान कर रहे हैं। साथ ही साथ सीसीटीवी कैमरा भी चालू है।

इसी प्रकार रायगढ़ विधानसभा क्रमांक 16 अंतर्गत सरिया क्षेत्र के 59 मतदान केंद्र में निर्वाचन कराने के बाद ईवीएम मशीनों आदि को रायगढ़ के स्ट्रांग रूम के लिए कलेक्टर रायगढ़ को 17 नवम्बर की रात को भेजा गया है। इस अवसर पर लाइजनिंग अधिकारी श्री शैलेन्द्र वर्मा उपस्थित थे।

छठ पूजन व दीपोत्सव पर परिचर्चा का आयोजन

नवापारा (राजिम)। सेठ फूलचंद स्मृति महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों ने आओ जाने छठ पूजन व दीपोत्सव का त्यौहार पर परिचर्चा का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक अविनाश शर्मा ने कहा कि छठ पूजन का त्यौहार भारत में सभी वर्ग के लोग बड़े उमंग और उत्साह से मनाते हैद्य इस पर्व का शुभारंभ सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक पूजन होता है इसका तात्पर्य सदैव कमजोर वर्गो की सहायता करे ताकि अपने जीवन में आगे बढ़ने का हौसला रखें पूर्व स्वयंसेवक ठाकुर राम साहू ने इस पर्व पर स्वयंसेवको को बधाईयां देते हुए कहा कि दीप पर्व में एक दूसरे के बुराईयों को छोड़ कर आने वाले भविष्य में दीपावली के दिये के तरह अंधेरे को चीरते हुए उजालों को उजागर करे सदैव स्वच्छ विचारधारा रखे द्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ.आर.के. रजक ने दीपो का महापर्व दीपावली के महत्व को बताते हुए कहा कि यह पर्व अनेक पौराणिक कथाओं पर आधारित है द्य भगवान राम चौदह वर्ष वनवास के बाद अयोध्या लौटे व समुद्र मंथन में लक्ष्मी जी का अवतरण हुआ था साथ ही संसार में इस दिन हर उस जगह को रौशन किया जाता है जहां अंधेरा रहता है द्य प्रत्येक स्वंसेवक अपने जीवन में सदैव दिये की तरह प्रकाशमान रहे द्य हेमलता धृतलहरे,लिलिमा, पूनम, प्रियांशु ने भी अपने विचार रखे कार्यक्रम के दूसरे सत्र में स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के देशी खेलकूद कितने भाई कितने आप बोलो जितने खेलो के माध्यम से एक दूसरे को छ्ठ एवं दीपोत्सव की अनेकानेक शुभकामनाएं दिए द्य इस परिचर्चा में भगवती, लीलेश, त्रेता, लुकेश्वर, मानसी,होरीलाल, प्रिया, अतुल, टिकेश्वरी, अमीषा, हेमंत,शरद, तनुजा कनिष्ठ व धनेन्द्र, चंद्रकांत, दिपेश, अगेश,देविका,क्षमा,राहुल, डाली, हिमांसी वरिष्ठ सहित 52 स्वयंसेवकों में हिस्सा लिया कार्यक्रम का संचालन विनय व तारणी साहू ने किया।

पेरुमल मुरुगन का उपन्यास फायर बर्ड बना 6वां जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर का विजेता

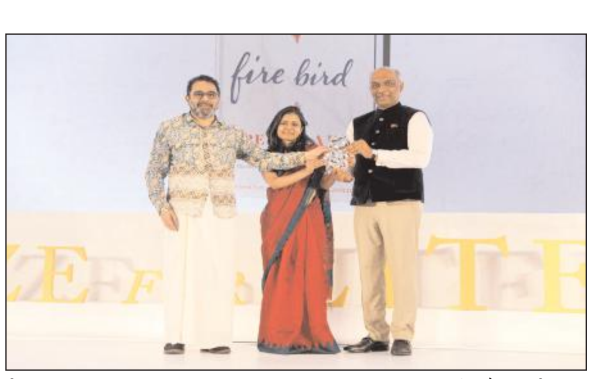

पेरुमल मुरुगन द्वारा तमिल भाषा में रचित और जननी कन्नन द्वारा अंग्रेजी में अनुवादित तथा पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित उपन्यास फायर बर्ड को साहित्य के लिए जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर 2023 से नवाजा गया है, जिसके तहत लेखक को 25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त अनुवादक को 10 लाख रुपए की धनराशि से सम्मानित किया गया। होटल द ताज महल, नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में, जेसीबी ग्रुप के चेयरमैन लॉर्ड बैमफोर्ड ने वर्चुअल संबोधन द्वारा जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर के विजेताओं की घोषणा की। इस मौके पर श्री लॉर्ड बैमफोर्ड की तरफ से जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक दीपक शेट्टी ने, एक सुंदर कलाकृति मिरर मेल्टिंग, जिसे दिल्ली के दो कलाकारों ठुकराल और टैगरा द्वारा बनाया गया है, लेखक पेरुमल मुरुगन को सम्मान के रूप में प्रदान की गई, जिसे पुस्तक की तमिल प्रकाशक और अंग्रेजी संस्करण की संपादक मानसी सुब्रमण्यम द्वारा प्राप्त किया गया क्योंकि विजेता पुस्तक के लेखक पेरुमल मुरुगन तथा अनुवादक जननी कन्नन किसी कारणवश सम्मान समारोह में उपस्थित नहीं थे।

श्री लॉर्ड बैमफोर्ड द्वारा भारत के प्रति बैमफोर्ड परिवार की प्रतिबद्धता और स्नेह के प्रतीक के रूप में साहित्य के लिए जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर को स्थापित किया गया था। मात्र छह वर्षों की अवधि में, इसने अपनी मौलिकता के कारण साहित्य जगत में अपने लिए एक विशिष्ट जगह बना ली है, जो विभिन्न संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय भाषाओं में लेखन को पुरस्कृत करती है और उनकी सफलता के महोत्सव में शामिल होती है।

अपने विचारों को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा कि

इस पुरस्कार की भारतीयता हमारे देश की विविधता को प्रतिबिंबित करती है। हमें हर साल भारत के विभिन्न हिस्सों से लेखकों और अनुवादकों से मिलने का सौभाग्य प्राप्त होता है और यह क्रम इस वर्ष भी जारी रहा है। हमें खुशी है कि भारतीय और वैश्विक पाठकों, विशेषकर युवाओं को अब इस पुरस्कार के माध्यम से भारतीय लेखन को अनुभव करने का अवसर मिल रहा है। हम आशा करते हैं कि हम हमारे पाठकों के इस समुदाय को हर साल सर्वश्रेष्ठ समकालीन भारतीय कथा साहित्य से रूबरू कराते रहेंगे। मानवीय भावों को अलग क्षितिज तक ले जाने वाले इस उपन्यास में पेरुमल मुरुगन अपने खुद के जीवन के अनुभव को संजीदगी से पिरोते हैं। मुरुगन अपने विस्थापन के दंश, बदलाव के दौर और अपनी जमी-जमाई जिंदगी और उसके टूटने के अनुभव के बारे में बताते हैं। उपन्यास में हमारे अस्थायित्व में स्थायित्व को खोजते रहने की जुगत को शब्दों में ऐसे उकेरा गया है कि ये उपन्यास पाठक की बनी बनाई सोच को झकझोर के रख देता है। तमिल उपन्यास आलंदापाटची में, जो अनुवाद के लिहाज से बेहद मुश्किल है, तमिल साहित्य के एक रहस्यमयी अग्नि पक्षी का जिक्र है जो अपने विस्थापन की प्रवृति से मजबूर है। ये काल्पनिक अग्नि पक्षी, मानव की भ्रामक और अस्थाई प्रकृति की बहुत सुंदर उपमा प्रस्तुत करता है।साहित्य निदेशक मीता कपूर जी के मंच पर आने से पहले ही समारोह की शुरुआत दास्तानगोई प्रस्तुति दास्तान-ए-अत्तिला से हुई, जिसकी संकल्पना डॉ. बकुल देव द्वारा आर. के. नारायण की मालगुडी डेज़ की तर्ज पर की गई थी और इसे विनीता दीक्षित तथा सईद आलम द्वारा लिखा गया है। समारोह में इसे प्रस्तुत और निर्देशित किया गया फौजिया दास्तानगो द्वारा।

जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर की विविध रचनाओं की शॉर्टलिस्ट में से पेरुमल मुरुगन द्वारा लिखित फायर बर्ड को पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल द्वारा चुना गया है, जिसमें श्रीनाथ पेरूर (निर्णायक मंडल के अध्यक्ष), महेश दत्तानी, सोमक घोषाल, कावेरी नांबिसन और स्वाति त्यागराजन शामिल थे।

निर्णायक मंडल का उद्बोधन-
श्रीनाथ पेरूर

फायर बर्ड में पेरुमल मुरुगन जमीन से जुड़े जीवन की एक सार्वभौमिक कहानी लेते हैं और इसे आश्चर्यजनक विशिष्टता के साथ प्रस्तुत करते हैं। जननी कन्नन अपने अंग्रेजी अनुवाद में, न सिर्फ तमिल भाषा की लय को अंग्रेजी में लाई हैं बल्कि उन्होंने जीवन की लय को ही इसमें पिरो दिया है।

महेश दत्तानी

नई उपजाऊ भूमि की खोज और इस कठिन यात्रा के लिए मजबूर करने वाला पारिवारिक संघर्ष, उसके निष्क्रिय स्वभाव पर काबू पाने के लिए मुथन्नन के दृढ़ प्रयास के साथ शानदार ढंग से मेल खाता है। कहानी भावुकता में डूबी नहीं है या नायक के लिए सहानुभूति नहीं मांगती है। दोनों महिलाओं के पास महत्वपूर्ण नाटकीय उद्देश्य और परिणाम को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त इच्छाशक्ति है। पाती सबसे बेहतरीन दादी-नानी के किरदारों में से एक है, जो मुझे पाथेर पांचाली की याद दिलाती है।

वास्तु से समाधान

– पं. देव नारायण शर्मा (वास्तु सलाहकार)

– दैनिक दैनन्दिनी https://www.dainandini.in

ज्योतिषी को घर के इशान कोण में बैठने से ज्यादा अंतर्ज्ञान होगा

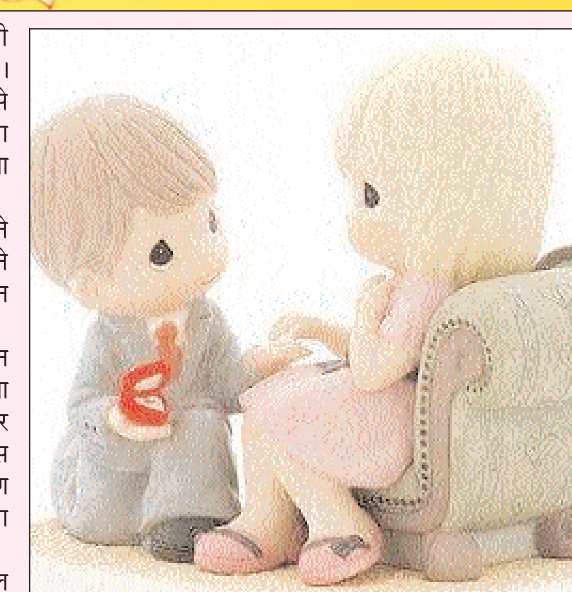

वास्तु शास्त्र में कोई भी स्थूल नियम काम नही करता।

अलग अलग व्यवसाय से सम्बंधित लोगों को अलग अलग स्थान का चयन करना चाहिए।

ज्योतिषी ,कर्मकांड कराने वाले पंडित जी को अपने ईशान कोण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

ज्योतिषी के लिए इशान कोण अत्यंत लाभदायक कोना होता है ,इस कोण में लगातार बैठने या सोने से पूर्वाभास होता है। इसलिए ईशान कोण का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

वास्तुशास्त्री और मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के लिए वायव्य कोण ज्यादा लाभदायक देखा गया है क्योंकि वायव्य में बैठने से बाहर विसीट में जाने की सम्भावना बढ़ जाती है ।

वास्तुशास्त्री जब घर से बाहर रहेगा तभी वह लोगों की सेवा कर पायेगा ।

आज कल एक सामान्य सा प्रचलन है कि सबको नेरित्य में बिठा दो या नेरित्य के कमरे में सुला दो।

जबकि हमारे वास्तु शोध संस्थान के बच्चों ने रिसर्च किया है कि अलग अलग जातक को अलग अलग व्यापार के अनुसार अलग अलग स्थान में सफलता मिलती है।

ज्योतिषी या प्राच्य विद्या का जानकर एक गुरु का काम करता है ,वह ब्रम्हा का प्रतिनिधित्व करता है ,इसलिए ज्योतिषी को भवन के इशान कोण में पूर्व मुखी बैठना चाहिए ,क्योंकि इशान कोण में बेठने या सोने से छटी इंद्रिय कुछ जागृत हो जाती है।

ज्योतिषी के लिए पुस्तकीय ज्ञान की अपेक्षा अंतर्ज्ञान की ज्यादा आवश्यकता होती है ,ज्योतिषी के मुंह से जो निकले वो जातक को फलना चाहिए।

ज्योतिषी को ज्योतिष/वास्तु के जड़ नियम से न बंधकर अपने अंतर्ज्ञान से पुस्तकीय ज्ञान को संतुलित करना चाहिए।

ज्योतिषी/वास्तु शास्त्री के लिए सबसे महत्वपूर्ण है साधना ,अगर आप अच्छे साधक नही बन सकते तो आप अच्छे ज्योतिषी भी नही बन सकते।

उत्तर मुखी बैठने से धन की प्राप्ति और पूर्व मुखी बेठने से ज्ञान की प्राप्ति होती है ,ज्योतिषी को धन की बजाय अपने ज्ञान को महत्व देना चाहिए।

ज्योतिष,वास्तु का यह कार्य हम लोग दुखी जनों की सेवा के लिए करते हैं ,इसलिए पूर्व मुखी बेठने से हमारे विचार जल्दी सम्प्रेषित होता है ।

इसलिए जब भी आप भी जातक का वास्तु देखने जाए तो उनके व्यवसाय और नौकरी के बारे में जानकारी अवश्य ले लें ।

प्रश्न नीरज सूद द्वारा- मैं ज्योतिष शास्त्र और पूजा पाठ का काम करता हूँ !! मेरे लिए घर के किस कोने में शयनकक्ष और ऑफिस होना चाहिए।

समाचार संक्षेप

पुरानी रंजिश के चलते युवक को पीटा

रायपुर। प्रेम नगर मोवा में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मनीष चौहान 34 वर्ष प्रेम नगर मोवा का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी राहुल निर्मलकर ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से विवाद कर गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

राज्यपाल ने छठ पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने छठ पूजा के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि सूर्य उपासना का यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति प्रेम का भी संदेश देता है। उन्होंने कामना की है कि छठ महापर्व प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाए।

पूरे प्रदेश में बदलाव की बयार - अशोक बजाज

रायपुर। भाजपा प्रवक्ता एवं जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज ने मतदान के बाद दावा किया कि पूरे प्रदेश में बदलाव की बयार चल रही है । छत्तीसगढ़ के मतदाताओं ने मोदी के नाम और मोदी के काम के आधार पर भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की महिलाओं ने स्वस्फूर्त घर से निकलकर अपने मताधिकार का उपयोग किया जो इस बात का संकेत है कि महतारी वंदन योजना जैसे वायदे से वे प्रभावित रही तथा भाजपा को जिताने के संकल्प के साथ उन्होंने मतदान में हिस्सा लिया । श्री बजाज ने दावा किया कि मतदाताओं ने भाजपा की गारंटी पर भरोसा जताया है तथा जनता के आशीर्वाद से प्रदेश में भाजपा को दो तिहाई सीटें मिलेगी और भाजपा की सत्ता में शानदार वापसी होगी।

अभी बदली का दौर, तीन दिन बाद बढ़ेगी ठंड

रायपुर। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में काफी मात्रा में नमी आ रही है,इसके चलते रविवार को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग का कहना है कि 20 नवंबर तक तापमान में बढ़ोतरी संभावित है। इसके बाद 22 नवंबर से न्यूनतम तापमान में गिरावट आनी शुरू होगी और ठंड बढ़ेगी। शनिवार को प्रदेशभर में अंबिकापुर सबसे ठंडा रहा,यहां का न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। शनिवार को रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी रही। हालांकि नमी आने के कारण ठंड में बढ़ोतरी हो रही है। विशेषकर ग्रामीण व आउटर क्षेत्रों में ठंड का प्रभाव काफी बढ़ते जा रहा है।

कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी विरोधी काम को दिया अंजाम, 24 घंटे में 4 से मांगा जवाब

धमतरी. विधानसभा चुनाव-2023 में कई जगहों से पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायतें सामने आ रही हैं. ऐसे में अब कुरुद विधानसभा से 4 कांग्रेसियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है. बता दें कि, पूर्व प्रत्याशी लक्ष्मीकांता साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष तपन चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष शारदा साहू, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष भरत नाहर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. इन चारों पर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है. जिसके बाद पीसीसी महासचिव मलकीत सिंह गैंदू ने नोटिस जारी किया है.

आपसी रंजिश के चलते हत्या, 4 गिरफ्तार, 2 नाबालिग भी पकड़ाए

रायपुर। आपसी रंजिश के चलते युवक की हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों में 2 नाबालिग भी शामिल हैं। मामला धरसींवा थाना का है। जानकारी के अनुसार ग्राम निनवा निवासी मालिक राम वर्मा ने थाना धरसींवा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह में रहता है तथा राजमिस्त्री का काम करता है। 15 नवंबर को गांव में मातर का कार्यक्रम था। मातर देखने उसका भाई मयंक भारती भी दैहान पारा निनवा गया था।

सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध व शक्तिशाली बनाती है : राज्यपाल हरिचंदन

रायपुर » दैनन्दिनी.

राजभवन में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत रविवार को छत्तीसगढ़ सहित 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है। राजभवन में राज्यपाल हरिचंदन के मुख्य आतिथ्य में भारत के राज्यों क्रमशः छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखण्ड तथा झारखण्ड और केंद्रशासित प्रदेशों लद्दाख, चंडीगढ़, अण्डमान और निकोबार द्वीप, पुदुचेरी तथा लक्षद्वीप का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई केन्द्र सरकार के ÷एक भारत-श्रेष्ठ भारत÷ कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले इन राज्यों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि भारत अनेक रंगो के फूलों की माला है। हर राज्य की अपनी एक अलग पहचान है। विविधता होते हुए भी हम सब एक है। जिसके कारण विश्व में हमारी साख है।

दुनिया की सभी शक्तियां हमारे भारत वर्ष की प्रशंसा करती हैं।

उन्होंने सभी राज्यों की विशिष्टताओं का उल्लेख किया। प्राकृतिक संसाधनों, वनोपज एवं खनिज से भरपूर छत्तीसगढ़, अपनी समृद्ध संस्कृति और इतिहास की कहानी कहता हुआ मध्यप्रदेश राज्य भले ही ही दो अलग-अलग राज्य हैं। लेकिन दोनों राज्यों के निवासियों का खान-पान, भाषा, संस्कृति, आचार-विचार, घुले-मिले है और वे परस्पर स्नेह के अटूट बंधन में बंधे हुए हैं। तमिलनाडु देश का दूसरा सबसे बड़ा सूचना प्रौद्योगिक का क्षेत्र है। साक्षरता के साथ-साथ सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य स्तर, स्त्री-पुरूष समानता के क्षेत्र में केरल अग्रणी है। आंध्रप्रदेश कृषि के साथ-साथ प्रसिद्ध धार्मिक स्थल तिरूपती बालाजी के लिए प्रसिद्ध है। सार्वधिक लोकप्रिय प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंचे-ऊंचे हिमालय पर्वतों की श्रृंखला, हिन्दुओं के पवित्र तीर्थ स्थल वैष्णव देवी तथा अमरनाथ के लिए जम्मू और कश्मीर जाना जाता है। पंजाब का इतिहास कुर्बानियों से भरा हुआ है। जिस पर हर देशवासी को गर्व है। अमृतसर का स्वर्ण मंदिर प्रमुख सिक्ख धर्म स्थल है। छोटा राज्य होने के बावजूद हरियाणा राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में शानदार उपलब्धियां हासिल की है। दिल्ली हमारी राजधानी ही नही देश का दिल भी है। देव भूमि उत्तराखंड में दुनिया भर के पर्यटक आते है। कोयला खनिज संपदा से भरपूर झारखंड अपनी आदिवासी संस्कृति के लिए जाना जाता है। राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया। यह भारतीय, तिब्बती और बौद्ध धर्म की संस्कृतियों का संगम क्षेत्र है। अंडमान-निकोबार द्वीप, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, पुदुचेरी भी अलग-अलग क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। इनमे से अधिकांश राज्यों से आए हुए लोग छत्तीसगढ़ में व्यवसाय अथवा नौकरी कर रहे है। राज्यपाल ने इन सभी राज्यों के नागरिकों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो ने ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राजभवन में अबतक 6 राज्यों का स्थापना दिवस राजभवन में मनाया गया। इन राज्यों की संस्कृति, खान-पान, लोक परंपराओं से एक-दुसरे राज्य के लोग परस्पर रूबरू हुए।

कार्यक्रम में इन सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। छत्तीसगढ़ का लोक-नृत्य सुवा, कर्मा, राउत नाचा, पंथी नृत्य पंजाब का भांगडा, कर्नाटक का लोक-नृत्य, कश्मीर, हरियाणा, उत्तराखंड, अंडमान-निकोबार द्वीप, मध्यप्रदेश का लोक नृत्य, केरल का लोक नृत्य, आंध्रप्रदेश के भारत नाट्यम नृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ से पद्मश्री से सम्मानित भारती बंधु, डॉ. सुरेन्द्र दुबे, श्रीमती शमशाद बेगम, मदन चौहान, अजय मंडावी, अनुप रंजन, डा रमेंद्रनाथ मिश्रा, श्रीधर, श्रीमती सुचिता शरण सहित अन्य समुदाय के विशिष्ट जनों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के विधिक सलाहकार राजेश श्रीवास्तव, उपसचिव दीपक अग्रवाल , इन सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, युवा, महिलाएं व नागरिक उपस्थित रहे।

राजीव भवन में मनाई गई इंदिरा गांधी जयंती

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में देश की पूर्व प्रधानमंत्री प्रियदर्शनी स्व. इंदिरा गांधी की जयंती पर उनके छायाचित्र में माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी विजय जांगिड़, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, शैलेश पांडेय, दिलीप लहरिया, विजय केशरवानी, सियाराम कौशिक, आशिष छाबड़ा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, महामंत्री रवि घोष, संयुक्त महामंत्री अजय साहू, सलाम रिजवी, मेहमूद अली उपस्थित थे।

18 करोड़ की मशीन से एक भी मरीज की जांच नहीं

रायपुर » दैनन्दिनी.

राजधानी के आंबेडकर अस्पताल में 18 करोड़ की लागत से स्थापित मशीन का लाभ करीब साढ़े पांच वर्षों में एक भी मरीज को नहीं मिल पाया है। अब मशीन की वारंटी भी समाप्त हो गई है। मामला यह है कि आंबेडकर अस्पताल में आने वाले कैंसर मरीजों के बेहतर इलाज के लिए वर्ष-2018 में 18 करोड़ की लागत से पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी (पैट सीटी) मशीन खरीदी गई थी। मरीजों की जांच के लिए पीपीपी मोड पर इसका संचालन किया जाना था। एजेंसी भी तय कर ली गई थी, लेकिन मशीन की खरीदी और जांच की राशि को लेकर विवाद हो गया। विवाद का अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है। इधर उपयोग के इंतजार में आधुनिक मशीन एक भी मरीज की जांच किए बिना ही कबाड़ होते जा रही है। एम्स में डेढ़ माह तक करना पड़ता है इंतजार इस मशीन का उपयोग करने के लिए अस्पताल प्रबंधन से लेकर शासन स्तर पर प्रयास किए जाने के दावे तो किए गए, मगर इसका हल निकालने में किसी को सफलता नहीं मिली। कैंसर के प्रभावित हिस्से की जांच के लिए पैट सीटी मशीन बेहद कारगर है। निजी अस्पताल इस मशीन के माध्यम से जांच के लिए 15 हजार रुपये तक वसूलते हैं। एम्स में सात हजार रुपये शुल्क देकर जांच के लिए एक से डेढ़ माह तक इंतजार करना पड़ता है।

सुख-सौभाग्य की प्राप्ति के लिए छठ पर्व के तीसरे दिन डूबते सूर्य को चढ़ाया संध्या अर्घ्य

रायपुर » दैनन्दिनी.

छठ हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को संतान की लंबी आयु पति के स्वस्थ जीवन और घर-परिवार के सुख-सौभाग्य की कामना के लिए रखा जाता है। चार दिवसीय छठ महापर्व का आज तीसरा दिन है। बढ़ईपारा निवासी विश्वकर्मा महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला विश्वकर्मा ने बताया कि 19 नवंबर को छठ व्रतधारीयो ने आमा तालाब में डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया इसलिए इसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है। आज बड़ी संख्या में समाज की महिलाए युवतियां पुरुष उपस्थित थे। छठ महापर्व कार्तिक शुक्ल की चतुर्थी तिथि से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। इस साल छठ पर्व 17 से 20 नवंबर तक है। आज षष्ठी तिथि 19 नवंबर को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया और 20 नवंबर को सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर छठ व्रत संपन्न होगा। छठ पर्व पर व्रती पूरे 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती है और कठोर नियमों का पालन भी करती है। इसलिए छठ को सबसे कठिन व्रतों में एक माना गया है। छठ पर्व देशभर में मनाया जाता है। आज छठ व्रत का तीसरा दिन है और संध्या अर्घ्य दिया गया छठ पूजा में सही समय पर ही सूर्य देव को अर्घ्य देने से व्रत का फल मिलता है। आज इस अवसर पर अशोक देवी जैन,नेहा विश्वकर्मा ,गूंजा विश्वकर्मा,माया विश्वकर्मा ,कलावती विश्वकर्मा ,दुर्गा विश्वकर्मा,मंदाकिनी विश्वकर्मा ,पिंकी विश्वकर्मा जैन ,पीहू, रुकमणी सिंह,सोनिया आंचल, अलीशा,ओमप्रकाश,आयुष,आदि उपस्थित थे।

देशभर के स्त्री रोग विशेषज्ञों ने आदान-प्रदान की नई तकनीक

रायपुर। इंडियन मेनोपॉज़ सोसाइटी (आईएमएस) गर्व से आईएमएस यूरोगायनेकोन 2023 के सफल समापन की घोषणा करती है, जो दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन है. जिसमें देश भर से प्रतिष्ठित स्त्रीरोग विशेषज्ञों, आईवीएफ विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया है. सम्मेलन 18 और 19 नवंबर को हुआ, जो मूत्र रोग विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान, सहयोग और प्रगति के लिए एक मंच प्रदान करता है. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में इंडियन मेनोपॉज़ सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. पुष्पा सेठी; हारा पटनायक, आईएमएस के पूर्व अध्यक्ष; पंडित डीडीयू हेल्थ यूनिवर्सिटी रायपुर की पूर्व कुलपति डॉ. आभा सिंह; पंडित जेएनएम मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. त्रिपुति नागरिया; डॉ. मनोज चेलानी, ऋ्हलङ्घ्द्धक्षष्टहह के आयोजन अध्यक्ष; डॉ. ज्योति जयसवाल, आयोजन सचिव; डॉ. तनवीर सिंह, आयोजन सचिव और डॉ. बिपाशा सेन, कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे.सम्मेलन ने ज्ञान प्रसार के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य किया, जिसमें विशेषज्ञ के नेतृत्व वाले सत्रों में यूरोगायनेकोलॉजी और प्रजनन क्षमता से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी. उपस्थित लोगों को सार्थक चर्चाओं में शामिल होने, नवीनतम शोध में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और अपने क्षेत्र में अग्रणी पेशेवरों के साथ नेटवर्क बनाने का अवसर मिला. आईएमएस की अध्यक्ष डॉ. पुष्पा सेठी ने इस आयोजन पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा, ÷आईएमएस यूरोजीनेकॉन 2023 महिलाओं के स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित लोगों का एक उल्लेखनीय जमावड़ा रहा है. इन दो दिनों के दौरान साझा किया गया सहयोग और ज्ञान निस्संदेह पूरे देश में मूत्र रोग संबंधी प्रथाओं की बेहतरी में योगदान देगा.

अवैध शराब के साथ चार गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अवैध शराब के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 189 पाव देशी शराब व कार एवं ऑटो रिक्सा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार गोलबाजार पुलिस ने मल्टीलेवल पार्किंग के सामने कार क्रमांक सीजी 07 एजेड 8970 में अवैध शराब ले जाते आरोपी शंकर दीप 22 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 125 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह आमानाका पुलिस ने सतनामीपारा में आरोपी पिंकुमार प्रसाद 30 वर्ष से 19 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं आजाद चौक पुलिस ने ललीता चौक के पास ऑटो रिक्सा क्रमांक सीजी 04 एलबी 2837 में 30 बॉटल अंग्रेजी शराब ले जाते आरोपी जगदीश मिश्रा

भाजपा के गढ़ में कांग्रेस की हवा ?

गरियाबंद. चुनावी सरगर्मी के बीच इस बार बिंद्रानवागढ़ में शुरुआत से ही कांग्रेस के पक्ष में लहर दिख रही थी. रही सही कसर भितरघातीयों ने पूरी कर दी. यही वजह है कि कांग्रेस इस बार भाजपा के गढ़ पर फतह पाने का दावा कर रही है. जीत के दावे का पलड़ा तब भारी हो गया जब मीडिया रिपोर्ट में भाजपा व संघ द्वारा जीत के दावे वाले गिनाए गए सीट में बिंद्रानवागढ़ का नाम गायब मिला. लेकिन भाजपा के रणनीतिकारों के हवाले से सूत्र बताते हैं कि, पिछली बार भी कांग्रेस के पक्ष में ऐसा ही माहौल था. लेकिन बिंद्रानवागढ़ के साइलेंट वोटर्स ने हवा का रुख बदल दिया था. ऐसे में ये भी दावा किया जा रहा है कि इस बार भी भाजपा की जीत कायम रहेगी. कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भाव सिंह साहू ने दावा किया है कि जीत इस बार कांग्रेस की होगी. साहू ने कहा कि भूपेश सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में क्षेत्र के विकास के साथ-साथ किसान, मजदूर, बेरोजगार के लिए बेहतर योजनाएं चलाई. नई सरकार में फिर से किसानों की कर्ज माफी, 3200 रुपये में धान खरीदी के अलवा महिला समूह के लिए ऋण माफी का एलान किया, आम मतदाताओं ने कांग्रेस पर फिर से भरोसा जताया है.

मोदी की गारंटी दिलाएगी जीत !-कांग्रेस की तरह भाजपा भी अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त है. भाजपा से नियुक्त चुनाव संचालक डॉक्टर राम कुमार साहू ने कहा कि बिंद्रानवागढ़ भाजपा का गढ़ है, स्थिति बरकरार रहेगी. हवा नहीं आंधी में भी यहां के मतदाताओं का भरोसा कमल के प्रति रहा है. धान खरीदी में कांग्रेस की तुलना में प्रति एकड़ एक हजार रुपये ज्यादा और कीस्तो के बजाए एक मुश्त भुगतान, महिला वंदन योजना के साथ-साथ मोदी की गारंटी पर मतदाताओं ने भाजपा पर पुनः भरोसा जताया है.

कांग्रेस के दावे की बड़ी वजह- टिकट के ऐलान के बाद पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी, बाबा उदय नाथ, हलमंत ध्रुवा जैसे चेहरे ने खुलकर नाराजगी जाहिर की. भागीरथी मांझी ने तो आप का दामन भी थाम लिया था. हाांलाकि सभी को मना लिया गया. लेकिन सूत्र बताते हैं कि इनमें से ज्यादातर चेहरों ने भाजपा के लिए काम नहीं किया. बूथ मैनेजमेंट है. बताया जाता है कि कांग्रेस ने भाजपा के बूथ, मंडल और जिलास्तर के ज्यादातर उन चेहरों को मैनेज कर लिया जो प्रत्याशी से व्यक्तिगत खुन्नस रखते थे. ऐसे लोगों पर भाजपा कार्रवाई की तैयारी कर रही है. भाजपा के परंपरागत वोटर्स माने जाने वाले माली समाज ने इस बार पार्टी के खिलाफ खुलकर काम किया. समाज के मुखिया और भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में काम किया. भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ बैठक लेते वीडियो भी वायरल हुआ था. ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष रमन सिंह की सभा में भी नहीं पहुंचे थे.

भाजपा के दावे का आधार-अब तक हुए 13 विधानसभा चुनाव में 9 बार भाजपा ने जीत दर्ज की है. कई विषम परिस्थिति और कांग्रेस के पक्ष में माहौल के बीच भी इस सीट पर भाजपा जीत का परचम लहराती रही है.

जातिगत समीकरण पर फोकस किया कहा जाता है कि इस सीट पर सर्वाधिक आदिवासी वोटर्स हैं. जहां स्थानीयता का कार्ड खेल भाजपा आदिवासी वोटर्स को रिझाने में सफल रहा. दावा किया जा रहा है ओबीसी में साहू और यादव वोटर्स भी भाजपा के पक्ष में मतदान किए हैं.

लोन लेने के लिए ITR बनवाए मात्र 500/- रू. में

जी.एस.टी. रिटर्न	FOOD लायसेंस
इनकम TAX फाईल	MSME रजिस्ट्रेशन
TDS रिफन्ड	प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस	डिजिटल सिगनेचर

सम्पर्क- शेखर गुप्ता WWW.ONLYTDS.COM
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद करने हेतु तैयार
9300755544, 8878655544

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि.जयस्तंभ चौक रायपुर, (छ.ग.) से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com